खास बात

सिद्धान्त की बातें तो पुस्तकों से छाँटकर सभी वाद-विवाद में पटु हो जाते हैं; मगर कितने उन सिद्धान्तों पर चलते हैं।

- अज्ञेय

।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 164

रायसेन
शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

रामगोपाल हत्याकांडः सरफराज को फांसी, 9 को उम्रकैद

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले को दहला देने वाले महाराजगंज हिंसा और रामगोपाल मिश्रा हत्याकांड में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने मामले के मुख्य आरोपी सरफराज को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है, जबकि इस जघन्य अपराध में शामिल अन्य 9 दोषियों को उम्रकैद की सजा मुकर्रर की है। इस फैसले के मद्देनजर पूरे कोर्ट परिसर और जिले के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और पूरा इलाका छावनी में तब्दील नजर आया। यह मामला पिछले साल 13 अक्टूबर 2024 का है, जब हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। इसी उपद्रव के दौरान रेहुवा मंसूर गांव के रहने वाले युवक रामगोपाल मिश्रा की निर्मम तरीके से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद इलाके में करीब एक सप्ताह तक तनाव और बवाल जारी रहा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब्दुल हमीद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया था।

नक्सल मुक्त हुआ बालाघाटः आखिरी दो हार्डकोर नक्सलियों ने भी हथियार डाले

बालाघाट। तीन दशकों तक जंगलों में दहशत फैलाने वाले माओवादी संगठन का बालाघाट जिले से पूर्ण सफाया हो गया है। गुरुवार को जिले में सक्रिय बचे हुए दो हार्डकोर माओवादी दीपक उर्फ सुधाकर उर्फ मंगल उइके और उसके साथी रोहित (एसीएम, दर्रेकसा एरिया कमेटी) ने कोरका स्थित सीआरपीएफ कैंप में आत्मसमर्पण कर दिया। एसपी आदित्य मिश्रा के मुताबिक इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद जिले में कोई हार्डकोर नक्सली नहीं रह गया है। वर्ष 1995 में संगठन से जुड़े दीपक उर्फ मंगल उइके ने लंबे समय तक मलाजखंड दलम के डिप्टी कमांडर और डीवीसीएम टैंक ग्रुप के सक्रिय माओवादी के रूप में काम किया। सूत्रों के मुताबिक दीपक संगठन की रणनीति, नए सदस्यों की भर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क तैयार करने में लीड रोल निभाता था। उसने आत्मसमर्पण के दौरान एक स्टेनगन भी जमा करवाई है।

मप्र राज्य निर्वाचन आयोग सिक्किम को देगा 400 ईव्हीएम

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ईव्हीएम शेयरिंग पॉलिसी के तहत किराये पर सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग को 400 ईव्हीएम उपलब्ध करायेगा। इस संबंध में गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में सचिव मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह और सचिव सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग सुश्री ग्लोरिया नामचू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

अंतर्मना उवाच

जिस प्रकार मिट्टी का गीलापन, पेड़ की जड़ों को पकड़कर रखता है.. उसी प्रकार शब्दों का मीठापन, मनुष्य के संबंधों को मज़बूत करके रखता है..!

कोई शब्द गीत और कोई शब्द गाली नहीं होता। तुम्हारा चिंतन और नजरिया ही उसे गीत और गाली बना देता है। ***तुम्हें कोई होली के दिन गाली देता है, तो तुम्हें बुरा नहीं लगता। क्यों ..?*** *क्योंकि तुम कहते हो - आज तो होली है - बुरा ना मानो होली है।* ***होली के दिन तुमने देखा होगा- लोग एक दूसरे को किस तरह से गालियां देते हैं, कीचड़ उछाल देते हैं, उपाधियां देते हैं, मजाक बनाते और नाम बिगाड़ते हैं।*** *लेकिन उस दिन कोई बुरा नहीं मानता है। गालियां उन्हें उस दिन बुरी नहीं लगती है।* ***अगर वे ही गालियां तुम्हें कोई दिवाली के दिन दे दे, तो तुम बुरा मान जाते हो, लड़ते हो, झगड़ते हो, मरने-मारने पर उतारु हो जाते हो। आखिर ऐसा क्यों..?*** *क्योंकि तुमने सोच लिया कि होली के दिन गाली गाली नहीं है और गैर होली के दिन गाली - गाली है। तो तुम्हारे चिंतन और सोच से ही कोई शब्द गाली और गीत बनता है। तो* ***बाहर के शब्द नहीं अपितु भीतर के अभिप्राय की भाव दशा क्या है, ये बहुत महत्वपूर्ण है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मुख्यमंत्री ने आंध्रप्रदेश के धर्मावरम में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

अटलजी भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे : सीएम

- अटलजी के बताए मार्ग पर आगे बढ़ रही है सरकार
- सीएम अटल ज्योति संदेश यात्रा में हुए शामिल

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्र सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वे हिमालय के समान विराट व्यक्तित्व के धनी थे। पूरी दुनिया में उनका एक अलग ही सम्मान है। वे भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे। आज आंध्र प्रदेश में उनके जन्मशताब्दी वर्ष में 15 दिवसीय अटल ज्योति संदेश यात्रा की शुरुआत हुई है। यह यात्रा आंध्र प्रदेश के 20 जिलों तक पहुंचेगी और 25 दिसंबर को स्व. वाजपेयी की जयंती के अवसर पर यात्रा का समापन होगा।

सीएम ने कहा कि आंध्र प्रदेश के सत्य साई जिले के धर्मावरम में स्व. वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी हुआ है। स्व. वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1923 को ग्वालियर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उन्होंने देश-दुनिया में अपनी प्रतिभा के बल पर नाम कमाया। आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ वाजपेयी के घनिष्ठ संबंध रहे। उनके कार्यकाल में ही नायडू एनडीए के प्रेसिडेंट बने थे। सीएम ने गुरुवार को धर्मावरम में अटल ज्योति संदेश यात्रा में सहभागिता की एवं स्व. वाजपेयी की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

सीएम ने कहा कि अटलजी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनकर देश की जनता की सेवा की। पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। कारगिल में पाकिस्तान को सबक सिखाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सौगात दी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के बताए मार्ग पर देश की सरकार चल रही है। पीएम मोदी और सीएम नायडू की दोस्ती पक्की है। चंद्रबाबू नायडू आंध्रप्रदेश में एनडीए सरकार में सीएम हैं। वे आंध्र प्रदेश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश भी विकास के पथ पर अग्रसर है। एनडीए ने भगवान श्रीकृष्ण के वंशज को मप्र की कमान सौंपी है। आंध्र प्रदेश में नायडू ने सत्याजी को आगे बढ़ाया है। यही सबका साथ-सबका विकास का संकल्प है। जनता के चेहरे के भाव देखकर ऐसा लग रहा है कि आंध्र प्रदेश और मप्र दो बिछड़े भाइयों के समान हैं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने देशवासियों को आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज, सागर माला, भारत माला, स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया जैसी योजनाएं दी हैं। आज हम पीएम मोदी और नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश और देश को आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। सीएम ने आंध्र प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष टीवीएन माधव को अटल ज्योति संदेश यात्रा के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अटल ज्योति संदेश यात्रा से आंध्र प्रदेश की जनता को स्व. वाजपेयी के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होने का अवसर मिलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी कहते थे कि अपना हृदय विशाल बनाओ। सबके साथ, सबके लिए काम और विकास करो।

प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के लिये करें सभी समन्वित प्रयास : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा मध्यप्रदेश में ही उपलब्ध कराई जाए, जिससे उच्च शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों को विदेश जाकर अध्ययन करने की आवश्यकता कम पड़े और स्थानीय स्तर पर ही अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा गुणवत्ता का अकादमिक वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गत बुधवार को 'सुशासन भवन' में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश को वैश्विक शिक्षा मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में अब निर्णायक कदम बढ़ा रही है। राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में आदेश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे।

रक्षा, ऊर्जा, सुरक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोहराया

मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बात द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत कर भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। दोनों नेताओं ने माना कि दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच तेज़ी से मजबूत होते संबंध वैश्विक राजनीति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बातचीत का मुख्य फोकस रक्षा, ऊर्जा, सुरक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गहराई देना रहा।

मोदी और ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करते हुए द्विपक्षीय सहयोग में हो रही निरंतर मजबूती पर संतोष जताया। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार बढ़ाने के लिए गति बनाए रखना आवश्यक है। इसके साथ ही दोनों ने यह भी माना कि आने वाले समय में दोनों देशों को नई तकनीकों, रक्षा और सुरक्षा में आपसी सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने कॉम्पैक्ट कार्यक्रम पर भी चर्चा की। यह कार्यक्रम 21वीं सदी के लिए दोनों देशों के बीच सैन्य, तकनीकी और व्यापारिक सहयोग को मजबूत बनाने पर केंद्रित है। मोदी और ट्रंप ने महत्वपूर्ण तकनीकों, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने माना कि इन क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के हित में है।

वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा

दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिति को लेकर भी विचार साझा किए। बातचीत में वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सहयोगात्मक ढांचे को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने माना कि कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन पर मिलकर काम करने से प्रभावी समाधान निकल सकता है। मोदी और ट्रंप ने साझा चुनौतियों से निपटने के लिए तालमेल बढ़ाने पर सहमति जताई। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते भविष्य की वैश्विक व्यवस्था को संतुलित और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दोनों नेताओं ने संपर्क बनाए रखने और आगे भी नियमित बातचीत करते रहने का निर्णय लिया। उनके अनुसार, निरंतर संवाद से द्विपक्षीय संबंध और बेहतर होंगे और दोनों देशों के साझा हितों को मजबूती मिलेगी।

अनुराग ठाकुर ने टीएमसी सांसद पर सदन में कश लगाने का आरोप

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को लोकसभा में उस वक्त अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सदन की गरिमा को लेकर एक गंभीर मुद्दा उठाया। अनुराग ठाकुर ने किसी का नाम लिए बिना तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद पर लोकसभा के भीतर ई-सिगरेट (वेप) पीने का आरोप लगाया। उन्होंने सदन में कहा कि विपक्ष के सदस्य नियमों की अनदेखी कर रहे हैं और सदन के अंदर ही ई-सिगरेट का इस्तेमाल हो रहा है, जो कि चिंताजनक है। अनुराग ठाकुर द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सख्त रुख अपनाया। स्पीकर ने स्पष्ट किया कि संसद के भीतर इस तरह के कृत्य के लिए कोई जगह नहीं है और न ही ऐसी कोई परंपरा या नियम है जो किसी सांसद को सदन में ई-सिगरेट पीने की छूट देता हो। उन्होंने सदस्यों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यह मामला औपचारिक रूप से उनके संज्ञान में आता है और आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित सांसद के खिलाफ उचित और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का एक और मौका

चुनाव आयोग ने एमपी समेत 6 राज्यों में 26 दिसंबर तक बढ़ाई डेडलाइन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने या उसमें सुधार करवाने के इच्छुक नागरिकों को बड़ी राहत दी है। आयोग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात समेत छह राज्यों में 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' की समयसीमा को आगे बढ़ा दिया है। गुरुवार को जारी किए गए नए शेड्यूल के मुताबिक, 11 दिसंबर को खत्म हो रही यह मियाद अब राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की मांग पर आगे खिसका दी गई है। इस फैसले का लाभ उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के करोड़ों मतदाताओं को मिलेगा।

सबसे बड़ी राहत उत्तर प्रदेश के निवासियों को मिली है, जहां अब एसआईआर की प्रक्रिया 26 दिसंबर तक जारी रहेगी। यानी यूपी के वोटर्स को दस्तावेज जमा करने और वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल करवाने के लिए 15 दिनों का अतिरिक्त समय मिल गया है। नए शेड्यूल के अनुसार, यूपी में रिवाइज्ड एन्यूमरेशन का काम 26 दिसंबर, शुक्रवार तक चलेगा और इसके बाद 31 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तमाम प्रक्रियाओं के बाद वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी, 2026 को होगा।

अरुणाचल प्रदेश में बड़ा हादसा, खाई में गिरा ट्रक, 21 मजदूरों के मरने की आशंका

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चागलागाम क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हुआ है। जानकारी के अनुसार एक ट्रक खाई में जा गिरा। इस हादसे में असम के 21 मजदूरों के मरने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय सेना द्वारा सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। माना जा रहा है कि हादसा 8 दिसंबर की रात को केएम 40 के पास हुआ। 10 दिसंबर की देर रात इसका पता तब चला जब एक शख्स चिपरा जीआरईएफ कैंप पहुंचा और उसने अधिकारियों को अलर्ट किया। हादसे में जीवित बचे व्यक्ति की शुरुआती जानकारी के अनुसार, वाहन सड़क से फिसल गया और नीचे दुर्गम जंगल वाली खाई में जा गिरा।

सावरकर की प्रतिमा का होगा अनावरण

अमित शाह और मोहन भगवत अंडमान-निकोबार दौरा करेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत गुरुवार से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दौरे पर जा सकते हैं, जहां वे विनायक दामोदर सावरकर की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस महत्वपूर्ण दौरे को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है और कुछ क्षेत्रों में यातायात प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसके साथ ही भगवत श्री विजयपुरम के डॉलीगंज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं से संक्षिप्त बातचीत कर सकते हैं। मोहन भगवत का सरसंघचालक के रूप में यह पहला दौरा होगा। लगभग दो दशक पहले भगवत ने सरकार्यवाह के रूप में द्वीप समूह का दौरा किया था, जबकि शाह का यह दूसरा दौरा होगा। उन्होंने जनवरी 2023 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती के उपलक्ष्य में द्वीप समूह का दौरा किया था।

प्लेटिनम कार्ड जल्द शुरू होगा; अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- सरकारी खजाना बढ़ेगा

9 करोड़ में मिलेगी अमेरिकी नागरिकता: ट्रम्प गोल्ड कार्ड आज से लागू

न्यूयॉर्क ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' के लिए अप्लाई प्रोसेस शुरू करने का ऐलान किया। इसके लिए आवेदक आज से आवेदन कर सकते हैं। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) है। हालांकि कंपनियों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा।

ट्रम्प ने इसी साल फरवरी में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (45 करोड़ रुपए) रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर किया गया।

ट्रम्प का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा, 'यह दुनिया के सफल उद्यमियों को आकर्षित करेगा।'

वहीं ट्रम्प का प्लेटिनम कार्ड भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसकी फीस करीब 5 मिलियन डॉलर (लगभग 45 करोड़ रुपए) है। गुरुवार को कार्ड लॉन्च करते हुए ट्रम्प ने कहा- गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं।

सरकार के सफलतम 2 वर्ष पूर्ण होने पर 13-14 दिसंबर को भोपाल और इंदौर में होंगे कार्यक्रम

प्रदेश की इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट देश में सर्वाधिक, रोजगार के अवसर और उद्योगों के विकास पर जोर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ प्रतिनिधि

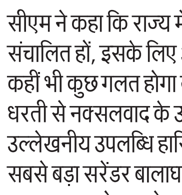

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार के सफलतम 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 13 दिसंबर को भोपाल और 14 दिसंबर को इंदौर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश में सरकार बनने के बाद गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए कई उल्लेखनीय निर्णय लिए गए। राज्य में कृषि के लिए सिंचाई का रकबा दोगुना करने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान और कई बड़ी परियोजनाओं के माध्यम से प्रयास जारी हैं। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्योगों के विकास पर जोर दिया जा रहा है। हमारी इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट देश में सबसे अधिक है।

'अच्छे कार्य में साथ, गलत बर्दाश्त नहीं'

सीएम ने कहा कि राज्य में सुशासन पर आधारित व्यवस्थाएं संचालित हों, इसके लिए अच्छे कार्य में सदैव साथ हैं और अगर कहीं भी कुछ गलत होगा तो उसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मप्र की धरती से नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में विगत दिनों उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। प्रदेश में नक्सलियों का सबसे बड़ा सरेंडर बालाघाट में कराया गया है। भविष्य में नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का लक्ष्य है। सीएम गुरुवार को कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के लिये रवाना होने से पहले इंदौर में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर में आंध्र प्रदेश के सत्य साई जिले के धर्मावरम में पूर्व पीएम स्व. वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष के समापन पर अटल ज्योति संदेश यात्रा कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 73वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होता है : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भगवान सभी जगह नहीं पहुँच पाते हैं, इसलिए उन्होंने चिकित्सक बनायें हैं। भगवान का दूसरा रूप चिकित्सक ही होता है। सम्मेलन आयोजन की सराहना करते हुए अपेक्षा की है कि चार दिवसीय सम्मेलन का निष्कर्ष समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

राज्यपाल गुरूवार को न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 73वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने न्यूरोलॉजी विषय पर दो पुस्तकों का लोकार्पण किया। विद्वान चिकित्सकों को सम्मानित किया। विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मौजूद थे।

राज्यपाल ने कहा कि मानव शरीर का मुख्य संचालक मस्तिष्क होता है। मस्तिष्क ही सभी इंद्रियों का नियंत्रणकर्ता है। हमारा मस्तिष्क स्वस्थ और शांत रहे, इस दिशा में न्यूरो सर्जन और न्यूरोलॉजिस्ट चिकित्सकों की विशेष भूमिका है।

इंडिगो : फ्लाइट कैंसिलेशन से परेशान यात्रियों को मिलेगा 20 हजार तक फायदा

नई दिल्ली। दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो की सैकड़ों उड़ानों के अचानक रद्द होने से देशभर में यात्रियों को भारी अफरा-तफरी का सामना करना पड़ा था।

अब इस मामले में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की सख्ती के बाद एयरलाइन ने अपनी गलती सुधारते हुए प्रभावित यात्रियों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। कंपनी ने न केवल नकद मुआवजे की घोषणा की है, बल्कि भविष्य की यात्रा के लिए ट्रैवल वाउचर देने का भी फैसला किया है। इंडिगो ने स्पष्ट किया है कि 3, 4 और 5 दिसंबर को फ्लाइट्स रद्द होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी, उन्हें सरकारी नियमों के तहत 5,000 से लेकर 10,000 रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा। यह राशि फ्लाइट की दूरी, टिकट की क्लास और यात्री को हुई असुविधा के आधार पर तय की जाएगी। कंपनी का यह कदम उन यात्रियों के आर्थिक नुकसान की भरपाई के तौर पर देखा जा रहा है जिनकी यात्रा योजनाएं पूरी तरह बिगड़ गई थीं।

संक्षिप्त समाचार

कार ने मारी बाइक को टक्कर, दो आर्मीमैन घायल

सागर। सागर के कैंट थाना क्षेत्र में गुरुवार को सदर बाजार रोड पर तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी? ।टक्कर में बाइक सवार आर्मीमैन गंभीर घायल हुए। घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायलों को संभाला। पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, महार रेजिमेंट में पदस्थ नायब सूबेदार अम्मीलाल और नायक मंतोष कुमार गुरुवार को किसी काम से बाइक से जा रहे थे ।तभी सदर बाजार रोड पर स्थित संकट मोचन मंदिर के पास काले कलर की स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना में दोनों आर्मी मैन गंभीर घायल हुए। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई?

निर्माणाधीन ब्रिज में अनियमितता, कांग्रेस का प्रदर्शन

सीहोर। सीहोर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास बन रहे ब्रिज में अनियमितताओं, गलत डिजाइन और गंभीर लापरवाही के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ब्रिज निर्माण में हुई खामियों को उजागर किया और सर्विस रोड की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। राजीव गुजराती ने कहा कि ब्रिज कॉर्पोरेशन ने बिना जमीनी सर्वे किए गलत ड्राइंग तैयार की। निर्माण के दौरान बार-बार डिजाइन बदली गई, लेकिन कारण नहीं बताया गया। निजी भूमि अधिग्रहण न होने का दावा गलत निकला, अब 3000 वर्गफीट भूमि अधिग्रहित की जा रही है।

केएमजे चिटफंड की 36 करोड़ देनदारी से नीलामी फिर अटकी

आयकर-ईपीएफओ का बकाया बना रोड़ा, प्रशासन ने शासन से मांगा मार्गदर्शन

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में केएमजे चिटफंड कंपनी की 35 संपत्तियों की प्रस्तावित नीलामी एक बार फिर अटक गई है। कंपनी पर आयकर विभाग और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का लगभग 36 करोड़ रुपए का बकाया सामने आया है। इस बकाया राशि के निपटान को लेकर प्रशासन ने राज्य शासन से मार्गदर्शन मांगा है, जिसके चलते नीलामी प्रक्रिया बाधित हो गई है। इन 35 संपत्तियों की अनुमानित कीमत लगभग 55 करोड़ रुपए आंकी गई है। 36 करोड़ रुपए के भारी बकाये के चलते अब आशंका है कि केएमजे के हजारों निवेशकों को अपनी रकम की वापसी के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

अन्य चिटफंड कंपनियों की नीलामी भी ठप: ग्वालियर में चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी का यह अकेला मामला नहीं है। सक्षम डेयरी और सन इंडिया चिटफंड कंपनी की संपत्तियों की नीलामी के लिए दो बार विज्ञापन जारी किए गए, लेकिन कोई खरीदार नहीं मिला। इस संबंध में जिला

न्यायालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। वहीं परिवार डेयरी की संपत्तियों की नीलामी पर मद्रास हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। इन संपत्तियों को सीबीआई ने भी कुर्क कर रखा है और मामला अभी हाईकोर्ट में लंबित है।

केएमजे चिटफंड कंपनी प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी चिटफंड कंपनी थी, जिसका परिवार डेयरी के बाद जिले और अंचल में विस्तृत नेटवर्क था। कंपनी ने लोगों को धन दोगुना करने का लालच देकर हजारों निवेशकों से करोड़ों रुपए जमा कराए थे।

कंपनी पर निवेशकों की देनदारी बहुत अधिक है और हजारों आवेदन वर्षों से लंबित हैं। निवेशक 2011 से अपनी रकम वापसी का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन का अनुमान है कि संपत्तियों की नीलामी से 70 से 75 करोड़ रुपए प्राप्त हो सकते हैं।

हालांकि आयकर और ईपीएफओ के 36 करोड़ रुपए के बकाये के समायोजन के बाद निवेशकों को भुगतान करना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

इस मामले में अपर कलेक्टर सी.बी. प्रसाद का कहना है कि केएमजे की संपत्तियों की नीलामी प्रस्तावित थी, लेकिन एसआईआर के चलते यह प्रक्रिया रुक गई। जनवरी-फरवरी में नीलामी की सूचना दोबारा जारी की जाएगी।

संपत्तियों की नीलामी से 70 से 75 करोड़ रुपए मिल सकते हैं

पॉलिसी मैच्योर होने के बाद भी निवेशकों को उनकी राशि वापस नहीं की गई। कंपनी के डायरेक्टर कारोबार बंद कर फरार हो गए, जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई और उनकी गिरफ्तारी हुई। न्यायालय ने कंपनी की संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश दिए थे और जिला न्यायालय नीलामी की अनुमति भी दे चुका है।

सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

38 टीमें ले रही हैं भाग, 11 दिनों तक चलेगी प्रतियोगिता

बड़वानी ■ निसं

'सांसद खेल महोत्सव 2025' के अंतर्गत पी.जी. कॉलेज मैदान, बड़वानी में जिला स्तरीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ पूर्व मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ।

जिला स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 38 टीमें भाग ले रही हैं, जिससे खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना और समर्पण के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।11 दिनों तक चलने वाली यह प्रतियोगिता जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष एवं जिला खेल संयोजक अजय जी कानूनगो, भाजपा जिला मंत्री रविंद्र कुलकर्णी, विधानसभा खेल महोत्सव संयोजक सचिन चौहान, अंपायर दामोदर जी मुकाती, दीपेश पांडे, विनोद बघेल सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, खिलाड़ी तथा बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रभावी निराकरण करने हेतु अधिकारी को किया सम्मानित

बड़वानी ■ निसं

कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में नगरपालिका परिषद सेंधवा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मधु चौधरी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें सितंबर और अक्टूबर 2025 के दौरान सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त जन-शिकायतों के समयबद्ध और प्रभावी निराकरण में ए ग्रेड प्राप्त करने के लिए दिया गया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मधु चौधरी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्य की सराहना करते हुए अन्य अधिकारियों को जन-सेवा और जवाबदेही को प्राथमिकता देते हुए कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

दिल्ली पुलिस ने सायबर ठगी के मामले में

ठीकरी के दो युवकों को किया गिरफ्तार, करोड़ों के बैंक ट्रांजक्शन का है मामला

बड़वानी ■ निसं

दिल्ली सायबर ठगी करने में एक मामला सामने आया है। जिसमें कृष्णस्वरूप तिवारी निवासी प्रितमपुरा दिल्ली ने डिजीटल अरेस्ट के संबंध में शिकायत दर्ज करवाई है ।जिसमें दो करोड़ से अधिक ठगी की गई है, जिसमे एक्सटोशन धाराओं में मामला दर्ज किया है ।वही दिल्ली सायबर सेल की टीम ठीकरी थाने पहुंची , वही ठीकरी के दो युवकों का नाम सामने आ रहा है।

जिसमें एक युवक के खाते में करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है ।दिल्ली पुलिस के अनुसार एक 78 वर्षीय बुजुर्ग से सायबर ठगी का मामला है जिसमें उनसे दो करोड़ 19 लाख रुपए की मांग करते हुए बैंक में डलवाए ।आगे इस खाते को लेकर और भी शिकायत सामने आई जिसमें लगभग आठ करोड़ रूपये इस खाते से लेनदेन हुआ है ।पुलिस ने इस मामले को गंभीरता को लेकर पुलिस की सायबर सेल ने जांच शुरू की आज सुबह तड़के दिल्ली पुलिस ने ठीकरी नगर के दो युवकों को दिल्ली की सायबर सेल पुलिस ने पकड़ा ।वही ठीकरी थाना लाकर एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को अंजड़ न्यायालय पेश किया गया।

खजराना गणेश मंदिर की दानपेटी से निकले 1.40 करोड़

बंद हो चुके 500-2000 के नोट मिले; पत्र और आभूषण भी निकले; गिनती दो दिन और चलेगी

इंदौर ■ निसं

इंदौर के खजराना गणेश मंदिर की दान पेटियां सोमवार को खोली गईं। राशि की गणना नगर निगम परिषद कार्यालय के अधीक्षक प्रदीप दुबे के नेतृत्व में 25 सदस्यीय टीम कर रही है। अब तक एक करोड़ 40 लाख रुपए गिने जा चुके हैं। चौथे दिन भी गिनती जारी है। बताया गया कि इस बार भी बड़ी संख्या में बंद हो चुके 2000 और 500 के नोट मिले हैं।

खजराना मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ नकली नोट भी दान पेटियों से निकले हैं। इस बार दान पेटियों से एक मोबाइल भी मिला है। बड़ी संख्या में भक्तों द्वारा भगवान गणेश को लिखे गए पत्र भी मिल रहे हैं। सोने-चांदी के असली और नकली आभूषण भी बड़ी मात्रा में मिले हैं। गणना अभी 2 दिन

और चलेगी।

हर बार दान पेटियों से निकलने वाली राशि कम होती जा रही है, जबकि मंदिर प्रबंधन का खर्च लगातार बढ़ रहा है। मंदिर में क्यूआर कोड से दान की सुविधा है, लेकिन कोड ऐसी जगह लगे हैं, जहां कम दिखाई देते हैं।

मंदिर प्रबंधन ने बताया कि दान राशि की गिनती की पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी की कड़ी निगरानी में होती है और वीडियो रिकॉर्डिंग भी अनिवार्य रूप से की जाती है, ताकि कार्य में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। दान पेटियों से मिलने वाली राशि का उपयोग मंदिर की धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में किया जाता है।

दान पेटियां खुलने पर बड़ी मात्रा में धनराशि और मूल्यवान वस्तुएं मिलती हैं: खजराना गणेश मंदिर इंदौर का प्रमुख धर्मस्थल है, जहां प्रतिदिन हजारों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। दिसंबर के अंत और 31 दिसंबर-नववर्ष पर यहां भारी भीड़ रहती है। हर वर्ष की तरह इस बार भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

यह मंदिर न सिर्फ आम भक्तों, बल्कि कई राजनीतिक नेताओं, उद्योगपतियों, खिलाड़ियों और बॉलीवुड हस्तियों की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है।

प्रभारी मंत्री लोधी 13 दिसंबर को जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक लेंगे

खंडवा ■ निसं

प्रदेश सरकार के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी 13 दिसंबर को खंडवा में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक लेंगे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री लोधी प्रदेश सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा भी करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री लोधी 13 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग, जल संसाधन विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के तहत प्रचलित निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बैठक में राजस्व विभाग के तहत नामांतरण, बँटवारा, सीमांकन से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा भी की जाएगी।

बैठक में प्रभारी मंत्री लोधी जिले में बस्ती विकास योजना, वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित आवेदनों के निराकरण की स्थिति, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण की प्रगति, जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति, वाहनों के फिटनेस एवं सड़क सुरक्षा, किसानों को विद्युत प्रदाय, खाद्य पदार्थ में मिलावट की रोकथाम के उपाय, उर्वरक एवं बीज की आपूर्ति तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली की भी समीक्षा करेंगे।

सिंहस्थ मेला क्षेत्र में 300 किमी की फायबर लाइन डलेगी

मेले के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों में टेलीकॉम कंपनी 100 से अधिक नए टावर लगाएगी

उज्जैन ■ निसं

सिंहस्थ-2028 को लेकर उज्जैन में गुरुवार को आयोजित बैठक में मेला अधिकारी और उज्जैन कलेक्टर ने टेलीकॉम कंपनी और रेलवे के अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में सिंहस्थ के दौरान नेटवर्क प्लान में टावर साइट अपग्रेड और नए टावर लगाए जाने पर बात हुई।

टेलीकॉम कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि उनकी कार्ययोजना के अंतर्गत सिंहस्थ के दौरान मेला क्षेत्र में 300 किमी क्षेत्र में फाइबर डाला जाएगा। पहले से मौजूद इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी अपग्रेड करना होगा। जहां अधिक लोगों की आवाजाही रहेगी, वहां कवरेज के लिए लगभग 100 पोल साइट लगाए

जाएंगे। मेला क्षेत्र, श्री महाकालेश्वर मंदिर, अन्य प्रमुख मंदिरों और उज्जैन आने वाले मुख्य मार्गों पर विशेष फोकस किया जाएगा। इसके लिए हार्ड पाइप डाले जाने पर भी चर्चा हुई।

मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में रेलवे अधिकारियों के साथ सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की।

स्थानीय निर्वाचन हेतु नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों में 29 दिसम्बर को होगा निर्वाचन

बड़वानी ■ निसं

राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल से प्राप्त आदेशानुसार जिले में नगरीय निकायों एवं पंचायतों के उप निर्वाचन 2025 की कार्यवाही 08 दिसम्बर से 05 जनवरी 2026 तक निकायवार/विकासखण्डवार सम्पन्न कराई जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमति जयति सिंह ने पंचायतों एवं नगरीय निकायो के उप निर्वाचन सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति की है।

नगर परिषद पानसेमल में पार्षद पद हेतु हुआ अधिसूचना का हुआ प्रकाशन : नगरीय निकाय पानसेमल के वार्ड क्रमांक 2 में पार्षद के रिक्त पद हेतु अधिसूचना का प्रकाशन 08 दिसम्बर को नगर परिषद पानसेमल में किया गया। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 16 दिसम्बर को, नाम वापसी 18 दिसम्बर की दोपहर 3 बजे तक, 29 दिसम्बर को प्रातः 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा तथा मतो की गणना 31 दिसम्बर को एसडीएम कार्यालय पानसेमल में प्रातः 9 बजे से होगी। इस हेतु एसडीएम पानसेमल को रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार पानसेमल को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

विकासखण्ड ठीकरी में निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक में होगा जनपद सदस्य का निर्वाचन: विकासखण्ड ठीकरी में निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 3 जनपद सदस्य के 1 पद हेतु अधिसूचना का प्रकाशन 08 दिसम्बर को जनपद पंचायत ठीकरी में किया गया। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 16 दिसम्बर को, नाम वापसी 18 दिसम्बर की दोपहर 3 बजे तक, 29 दिसम्बर को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा तथा मतो की गणना 02 जनवरी 2026 को प्रातः 8 बजे से जनपद सभाकक्षा ठीकरी में होगी। इस हेतु तहसीलदार ठीकरी को रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त तहसीलदार ठीकरी को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ग्राम पंचायत वांगरा में सरपंच के पद हेतु हुआ अधिसूचना का प्रकाशन: विकासखण्ड पानसेमल की ग्राम पंचायत वांगरा में सरपंच पद के निर्वाचन हेतु समस्त वार्ड में निर्वाचन होगा। इसके लिए अधिसूचना का प्रकाशन 08 दिसम्बर को तहसील कार्यालय पानसेमल में किया गया। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 16 दिसम्बर को, नाम वापसी 18 दिसम्बर की दोपहर 3 बजे तक, 29 दिसम्बर को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा तथा मतो की गणना 02 जनवरी को तहसील कार्यालय पानसेमल में प्रातः 8 बजे से होगी।

'मिशन अमृत संचय' के तहत स्वैच्छिक संगठनों की कार्यशाला सम्पन्न

पानी अनमोल है, सभी मिलकर जल संरक्षण के लिए प्रयास करें - कलेक्टर गुप्ता

खंडवा ■ निसं

कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देशन में खण्डवा जिले में 'मिशन अमृत संचय' अभियान के तहत भू-जल संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। नदी नालों में बहते पानी को बोरी बंधान के माध्यम से रोका जा रहा है। साथ ही सभी शासकीय व निजी पक्के भवनों की छतों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए अभियान जारी है। इसी क्रम में गुरूवार को जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं एवं स्वैच्छिक समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों की एक दिवसीय कार्यशाला कलेक्ट्रेट सभाककक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर गुप्ता ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि हर वर्ष भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। हमें आज से ही पानी बचाने के लिए विशेष प्रयास करना होंगे। पानी बचाने की दिशा में हम अभी नहीं जागे, तो बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी एनजीओ के प्रतिनिधि व जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता गांव-गांव में पानी का महत्व बतायें और सभी से वर्षा का पानी बचाने की अपील करें। जो व्यक्ति पानी का अपव्यय करता हुआ पाया जाए, उसे रोकने व टोकने की कार्यवाही अवश्य की जाए।

कलेक्टर गुप्ता ने उपस्थित

एनजीओ के प्रतिनिधि व जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं से अपील की कि सबसे पहले वे अपने घरों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवायें और फिर अपने गांव व शहर के अन्य लोगों को भी उनके घरों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के लिए प्रेरित करें।

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने इस दौरान कहा कि हमें पानी का मोल पहचानना होगा। पानी बचाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी को मिलकर पानी बचाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार हमारे लिए पानी की टंकी बना सकती है और पाइपलाईन बिछा सकती है, लेकिन पानी का उत्पादन कोई नहीं कर सकता। इसलिए हमें पानी बचाना ही होगा। उन्होंने कहा कि हम जितना पानी खर्च करते हैं, उतना पानी बचाने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। कलेक्टर गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि जिले की हर पक्की छत से वर्षा का पानी भूजल संवर्धन के उपयोग में आए, यह अगले 1 वर्ष में हमें सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अमृत संचय अभियान के तहत हमें जिले के सभी शासकीय व निजी भवनों की पक्की छतों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाना है, ताकि वर्षा के पानी की एक-एक बूंद जमीन में समाकर भूजल स्तर को बढ़ाए।

इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर्स ने एनजीओ के प्रतिनिधि व जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं को बोरी बंधान बनाने, डगवेल रिचार्ज बनाने, हैंड पंपों के आसपास सोखता गड्ढे बनाने, मेढ़ बंधान, नाला गहरीकरण कंटूर ट्रेंच, खेत, तालाब और परकोलेशन टैंक जैसी जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण के संबंध में भी प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई।

मोतियाबिंद के 93 मरीजों को निःशुल्क सर्जरी के लिए इंदौर भेजा

खंडवा ■ निसं

राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पंधाना विकासखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पंधाना, पुनासा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुलगांव, विकासखण्ड हरसूद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरसूद में निशुल्क नेत्र जाँच शिविर लगाकर मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि शिविर में 308 मरीजों की आंखों की जांच के बाद मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयनित इन मरीजों में से 93 को नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए शंकरा नेत्रालय व चौइथराम नेत्रालय इन्दौर भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

महापौर मालती राय ने औषधी पार्क का किया निरीक्षण

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने औषधि पार्क का निरीक्षण किया और औषधीय पौधों एवं उनके रख-रखाव के संबंध में जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने औषधीय पौधों का रख-रखाव और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती मालती राय ने गुरूवार को जोन क्र.07 के अंतर्गत वार्ड क्र.31 के तुलसी नगर स्थित मानस औषधि पार्क का निरीक्षण किया। महापौर श्रीमती राय ने उद्यान में लगे विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों का अवलोकन किया और पौधों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती मालती राय ने औषधि पार्क में पौधों की और अधिक बेहतर ढंग से देखभाल करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान आदि भी मौजूद थी।

भोपाल गैसकांड क्रिमिनल केस में अंतिम सुनवाई 23 को

भोपाल। भोपाल में जिला अदालत में यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) और उसके 8 दोषी अधिकारियों के खिलाफ लंबित आपराधिक अपील मामले की अंतिम सुनवाई के लिए तारीख तय की गई। यह मामला भोपाल में 2/3 दिसंबर को हुए यूनियन कार्बाइड हादसे से जुड़ा है। यूसीआईएल और उसके भारतीय अधिकारियों को सुनवाई की तारीख पेश करनी थी। जिला न्यायाधीश ने सुनवाई की लंबी तारीख न देने पर अड़े रहे। मामले की सुनवाई 23 दिसंबर को होगी, जब यूसीआईएल और भारतीय आरोपी अंतिम आपराधिक अपील सुनवाई की तारीख पेश करेंगे। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में, यूनियन कार्बाइड के विषैले कचरे से संबंधित मामला मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए आया। मध्य प्रदेश सरकार के गैस राहत विभाग (प्रतिवादी 3) ने न्यायमूर्ति श्रीधरन और प्रदीप मित्तल के 8 अक्टूबर 2025 के उस आदेश को रद्द करने के लिए आवेदन दायर किया है। जिसमें राज्य को यूनियन कार्बाइड की 900 मीट्रिक टन विषैली राख के निपटान के लिए वैकल्पिक स्थान खोजने का निर्देश दिया गया था। आज, यह मामला न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह और न्यायमूर्ति अजय कुमार निरंकारी की बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया गया।

फर्जीवाड़े के आरोप में पूर्व बीजेपी नेता गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल की टीटी नगर पुलिस ने बीजेपी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष भगत सिंह कुशवाहा समेत तीन को गिरफ्तार किया है। तीनों पर कुशवाहा भवन पर फर्जी दस्तावेजों से कब्जा करने के आरोप थे। कार्रवाई बुधवार देर रात की गई है। गुरुवार को तीनों को कोर्ट में पेश किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 15 साल पहले कुशवाहा समाज को आवंटित भवन के फर्जी दस्तावेज तैयार कराए थे। इन्हीं के आधार पर वह भवन पर कब्जा रखकर ऑफिस और गर्ल्स हॉस्टल संचालित कर रहे थे। इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल भानपुर के बेटे सीताराम कुशवाहा और मोहन कुशवाहा को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों पर समाज की संपत्ति को निजी उपयोग में लेने का आरोप है। टीआई गौरव सिंह ने बताया कि आरोपियों को उनके घर से पकड़ा गया है। एसीपी अंकिता खातेकर ने बताया कि साल 2022 में भगत कुशवाह के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत मिली थी। 2 साल की जांच के बाद साल 24 में एफआईआर दर्ज की गई।

51 दिनों के लिए शुक्र ग्रह अस्त ...मांगलिक कार्यों पर रोक

आगामी नववर्ष के जनवरी माह में कोई वैवाहिक मुहूर्त नहीं, फरवरी माह से ही शुरू होंगे शादी-ब्याह

भोपाल ■ निसं

गुरूवार सायंकाल से शुक्र ग्रह अस्त हो गए। 51 दिन इसी अवस्था में रहने के बाद शुक्र ग्रह नववर्ष 1 फरवरी 2026 को उदित होंगे, वहीं 16 दिसंबर से खरमास भी प्रारंभ होगा। इनके फलस्वरूप मांगलिक कार्य पर लंबी रोक लग गई है और यह फरवरी माह से शुरू हो पाएंगे।

इस साल शादियों का दौर अब समाप्त हो गया है। वहीं पौष मास शुरू हो चुका है। यह विवाह कार्यों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। शुक्र ग्रह के अस्त होने और फिर खरमास लगने से नए साल में जनवरी के पूरे महीने कोई शुभ कार्य नहीं होगा। फरवरी माह में शुक्र के उदय होने के बाद ही दोबारा मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। पंचांगों के अनुसार शुक्र ग्रह गुरूवार शाम 6.35 बजे अस्त हो गए और फिर 1 फरवरी 2026 को शाम 6.27 बजे तक अस्त अवस्था में ही रहेंगे। हिंदू धर्मशास्त्रों में मान्यता है कि जब शुक्र अस्त होते हैं तो विवाह जैसे मांगलिक कार्यों को रोक दिया जाता है। इस लिहाज से दिसंबर में विवाह के

शुभ मुहूर्त काफी कम थे। आगामी जनवरी 2026 में विवाह का कोई शुभ मुहूर्त नहीं है। फरवरी से मांगलिक कार्यों की फिर शुरुआत होगी। 4, 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 फरवरी को विवाह के शुभ मुहूर्त होंगे। वहीं मार्च में 2, 3, 4, 7, 8, 9, 11 और 12 तारीख को शादियों की तिथियां पंचांगों में बताई गई हैं।

शुक्र ग्रह के अस्त होने से इन राशियों पर प्रभाव पड़ेगा: शुक्र गृह के अस्त होने से वृष राशि के जातकों के लिए शुक्र के अस्त होने से बिजनेस और नौकरी में सफलता के योग बनेंगे। कोई बड़ा प्रोजेक्ट आपको लाभ देगा। तुला राशि वालों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी होगी। लोन की स्थिति भी सुधरेगी। मकर राशि वालों की लव लाइफ और आर्थिक स्थिति में पहले से और भी अधिक सुधार आएगा।

उल्लेखनीय है कि शुक्र ग्रह को सुख, वैभव, प्रेम, धन, दौलत, ऐश्वर्य और वैवाहिक सुख का दाता माना जाता है। इनके अस्त होने से कई राशियों पर भी असर होता है।

सूर्यनारायण की चाल बदलते ही 16 से लगेगा खरमास

16 दिसंबर की सुबह 1.24 बजे से सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे और अपनी चाल बदलेंगे। सूर्य के धनु राशि में पहुंचते ही खरमास आरंभ हो जाएगा, जो हिंदू पंचांग के अनुसार किसी भी मांगलिक कार्य के लिए अशुभ काल माना जाता है। खरमास समाप्ति के बाद फरवरी माह में ही शहनाई बज पाएगी। खरमास के दौरान मांगलिक गतिविधियां शुभ नहीं मानी जातीं, लेकिन आध्यात्मिक साधना, दान-पुण्य और शास्त्रीय अध्ययन पर अधिक ध्यान दे सकते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जब सूर्यदेव धनु या मीन राशि में प्रवेश करते हैं तो उनकी ऊर्जा कम हो जाती है। सूर्य को तेज और कार्यों की सफलता का कारक माना गया है।

भाभा विश्वविद्यालय का दीक्षारंभ कार्यक्रम

युवाओं के पुरुषार्थ एवं परिश्रम से पुनः विश्वगुरु बनेगा भारत : मंत्री परमार

भोपाल ■ निसं

भारत की ज्ञान परम्परा प्राचीन काल से ही सर्वश्रेष्ठ रही है। भारत की अपनी समृद्ध शिक्षा पद्धति थी। नालन्दा विश्वविद्यालय में संपूर्ण विश्व के लोग अध्ययन करने आते थे। भारत शिक्षा एवं स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में विश्वमंच पर सिरमौर था, विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। संपूर्ण विश्व के लोग हमारे यहां शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ अर्जित करने आते थे। अतीत के विभिन्न कालखंडों में योजनाबद्ध तरीके से, भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा को दूषित कर, हीन भावना भरने का कुत्सित प्रयास किया गया।

भारत की अपनी समृद्ध ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, इस भ्रांति और हीन भावना से मुक्त होने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने अपने पुरुषार्थ, गौरवशाली इतिहास और पूर्वजों के ज्ञान से प्रेरणा लेकर, पुनः भारत केंद्रित शिक्षा के माध्यम से, राष्ट्र के पुनर्निर्माण का सौभाग्यशाली अवसर दिया है। हमें गर्व के भाव के साथ भारतीय दृष्टि से हर क्षेत्र-हर विषय में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर स्थापित करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के

संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में, भारतीय ज्ञान परम्परा का पाठ्यक्रमों में समावेश किया जा रहा है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को भाभा विश्वविद्यालय में, नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारम्भ के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर कही। मंत्री परमार ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यार्थियों के सार्थक एवं सफल दीक्षारंभ के लिए विश्वविद्यालय परिवार को भी शुभकामनाएं दी।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि 'दीक्षारम्भ'; भारत की समृद्ध प्राचीन ज्ञान परम्परा है, जो विद्यार्थी के जीवन के सभी आयामों को परिपूर्ण बनाकर समाज, राष्ट्र और विश्व के कल्याण के लिए तैयार करती है। दीक्षारम्भ, भारत की प्राचीनतम ज्ञान परम्परा है, जो विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण एवं आत्मबोध के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पेड़, नदी, जल, सूर्य सहित समस्त प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से, कृतज्ञता के भाव के साथ समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित परंपरा स्थापित की थी। यह कृतज्ञता का भाव, भारत की सभ्यता एवं विरासत है। पूर्वजों के इसी स्थापित परंपरागत ज्ञान के आधार पर, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। भारत वर्ष 2047 तक, खाद्यान्न एवं ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बल्कि विश्व के अन्य देशों की पूर्ति करने में सामर्थ्यवान बनेगा। इसके लिए हम सभी की संकल्पित सहभागिता एवं पुरुषार्थ की आवश्यकता है।युवाओं को हीन भावना से मुक्त होकर, भारत के कृतित्व एवं ज्ञान पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। मंत्री परमार ने कहा कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है, यह भारत का मूल मंत्र हैं। वसुधैव कुटुंबकम् के इस भारतीय दृष्टिकोण के साथ भारत विश्वमंच पर सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। मंत्री परमार ने विश्वविद्यालय परिसर में नवसृजित नक्षत्र वाटिका, नवग्रह वाटिका एवं पंच-पल्लव वाटिका का शुभारम्भ कर वाटिका में तुलसी का पौधा रोपित किया। मंत्री परमार ने विश्वविद्यालय परिसर में फार्मेसी विभाग द्वारा संचालित इंटरप्रेन्योर केंद्र का अवलोकन कर, वहां निर्मित उत्पादों के विद्यार्थियों द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा के शोध आधारित लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन कर, उनके नवाचारों की जानकारी प्राप्त की और उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री परमार ने विश्वविद्यालय में बच्चों को मनो-अवसाद से मुक्त करने के लिए परामर्श देने के लिए तैयार एप 'अनलोड पिटारा' का शुभारम्भ भी किया।

विरासत, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण का संगम

मंत्री भूरिया ने गौहर महल में 'परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल 'का किया उद्घाटन

भोपाल ■ निसं

राजधानी के ऐतिहासिक गौहर महल में 11-14 दिसम्बर तक आयोजित 'परी बाज़ार हेरिटेज फ़ेस्टिवल-2025' के छठे संस्करण का महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल की आत्मा-महिला सशक्तिकरण, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि 'परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल' केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भोपाल की ऐतिहासिक पहचान और महिलाओं की प्रगति का जीवंत प्रतिनिधित्व है। उन्होंने बताया कि 150 वर्ष पुरानी महिला बाज़ार की परंपरा को आधुनिक स्वरूप में पुनर्जीवित करने वाला यह फेस्टिवल महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भूमिका को नए अवसर प्रदान करता है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बेगम ऑफ भोपाल क्लब और डब्लूईईएस की टीम को 2017 से निरंतर महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा झुग्गी-बस्तियों की महिलाओं को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना, समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। मंत्री सुश्री भूरिया ने लाड़ली लक्ष्मी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाड़ली बहना योजना, और लगभग एक लाख आंगनबाड़ियों के माध्यम से मातृ एवं बाल पोषण को मजबूत करने का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य है।उन्होंने बताया कि डब्लूईईएस द्वारा 7 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया है और संस्था अब तक 2000 से अधिक महिलाओं और युवतियों को शिक्षा, कौशल और आजीविका के अवसर से जोड़ चुकी है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने इस वर्ष फेस्टिवल में शामिल ट्राइबल फ़ूड फेस्टिवल की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि जनजातीय समाज की पाक-परंपरा न केवल स्वाद का अद्भुत अनुभव देती है, बल्कि प्रकृति-सम्मत जीवन का अनूठा ज्ञान भी समाहित करती है।

वंदे मातरम् न गाने पर मंत्री विश्वास सारंग का तंज

जिन्हें गाने से परहेज, वे पाकिस्तान चले जाएं और वहां की नागरिकता ले लें

भोपाल ■ निसं

प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि हिन्दुस्तान में रहना है तो वंदे मातरम् गाना ही होगा। जो लोग कहते हैं कि वंदे मातरम् नहीं गाएंगे वे गद्दारों की श्रेणी में हैं। यदि हिन्दुस्तान में रहकर वंदे मातरम् गाने से परहेज है तो पाकिस्तान चले जाओ। फिरका परस्ती की बातें करना, धार्मिक उन्माद फैलाना, तुष्टिकरण की राजनीति करके चुनाव लडना और जीतने की कोशिश करना यह अब इस देश में नहीं चलेगा।

वंदे मातरम् को लेकर चल रही देशव्यापी बहस और केंद्रीय मंत्री अमित शाह की वंदे मातरम् न गाने वालों की लिस्ट में शामिल कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का नाम सामने आने के बाद इसको लेकर मंत्री सारंग ने मीडिया से चर्चा में यह बातें कहीं। मीडिया से चर्चा में सारंग ने कहा कि वंदेमातरम राष्ट्र के सम्मान का सूचक है। यह वो राष्ट्रीय सम्मान है जिसे गाते, गुनगुनाते, आत्मसात करते हुए हमारे क्रांतिकारियों ने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर किया। यह वंदे मातरम् आजादी का प्रतीक है, आजादी की लड़ाई संघर्ष का प्रतीक है। मैं फिर कहूंगा जो वंदे मातरम् नहीं गाता है वह गद्दार है। यह धर्म विशेष का मामला नहीं है। अश्फाक उल्ला खां, अब्दुल कलाम ने वंदे मातरम् गाया। इस तरह की बातें करके धार्मिक उन्माद फैलाना चाहते हैं तो यह नहीं चलेगा। यदि गद्दारों को वंदे मातरम् गाने में परहेज है तो जाएं और पाकिस्तान की नागरिकता ले लें। हिन्दुस्तान में रहना है तो वंदे मातरम् गाना ही होगा।

केंद्र सरकार ने 5 नए पदों को दी मंजूरी

मप्र में अब 16 एसपी बनाए जाएंगे डीआईजी

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश पुलिस में डीआईजी स्तर के पांच नए पदों को केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है। नए पद मिलने के बाद अब एसपी स्तर के ग्यारह नहीं, कुल 16 अफसर डीआईजी बनाए जाएंगे। मुख्य सचिव की मंजूरी मिलने के बाद डीपीसी की तिथि तय हो जाएगी। प्रदेश के एसपी स्तर के अफसरों की पदोन्नति काफी समय से लटकी हुई थी। केंद्र सरकार से पांच पदों को मंजूरी मिलने के बाद तीन बैच के अफसर एक साथ डीआईजी के पद पर पदोन्नत किए जाएंगे।

इसके अलावा डीजी रैंक के तीन और एडीजी-आईजी के दो-दो पद साल 2026 के लिए बढ़ाए गए हैं। आईपीएस अफसरों की डीपीसी

को लेकर प्रस्ताव तैयार कर मुख्य सचिव अनुराग जैन को भेज दिया गया है। डीसीपी दिसंबर के दूसरे सप्ताह में होने के आसार हैं। मध्यप्रदेश के आईपीएस अफसरों को डीपीसी के बाद एक जनवरी 2026 की स्थिति में पदोन्नत किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। हालांकि कुल 11 आईपीएस अफसरों को पदोन्नत होना था, लेकिन पांच नए पद मिलने के बाद अब एसपी स्तर के कुल 16 अधिकारी डीआईजी बनाए जाएंगे। केंद्र सरकार ने पदों को मंजूरी देने संबंधी पत्र राज्य सरकार को भेज दिया है।

तीन बैच के अफसर बनेंगे डीआईजी: साल 2010 बैच के राकेश कुमार सगर, आरएस बेलवंशी, किरणलता केरकेट्टा, मनोज राय शामिल हैं। साल 2011 बैच के अफसरों में रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोढ़ा, सिमाला प्रसाद, असित यादव का नाम प्रमुख है। उनके अलावा साल 2012 बैच के अफसरों में मयंक अवस्थी, विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, शिव दयाल, शैलेंद्र सिंह चौहान, आलोक कुमार सिंह, रघुवंश सिंह और विकास पाठक का नाम है।

डीजी के लिए तीन रैंक भी स्वीकृत

केंद्र सरकार ने साल 2026 के लिए डीजी रैंक के तीन पदों को मंजूरी प्रदान की है। उक्त पदों पर 1994 बैच के अफसर अनंत कुमार सिंह, आशुतोष राय और राजाबाबू सिंह का नाम है। एडीजी और आईजी के भी दो-दो पद बढ़ाए गए हैं। एडीजी के पद जबलपुर आईजी प्रमोद वर्मा और भोपाल आईजी अभय सिंह पदोन्नत होंगे। साल 2008 बैच के अफसर सियाश ए. और ललित शाक्यवार आईजी के पद पर पदोन्नत होंगे। सियाश सीआईडी और शाक्यवार शिकायत शाखा में डीआईजी है। इसी बैच के जयदेवन ए सीबीआई में प्रतिनियुक्ति पर हैं, इसलिए 2008 बैच के सभी अफसर आईजी बन जाएंगे।

भोपाल मंडल को उत्कृष्ट पत्रिका हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा तृतीय पुरस्कार

भोपाल ■ निसं

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भोपाल द्वारा 11.12.2025 को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अचारपुरा (ईटखेड़ी), भोपाल में आयोजित केंद्र सरकार के कार्यालय प्रमुखों की बैठक में विभिन्न विभागों की राजभाषा उपलब्धियों का मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भोपाल को वर्ष 2024-25 के लिए 'उत्कृष्ट पत्रिका' श्रेणी में राजभाषा शील्ड तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री योगेन्द्र बघेल द्वारा ग्रहण किया गया। इस दौरान राजभाषा अधिकारी बृजेन्द्र कुमार मौजूद रहे। इस सम्मान से मंडल की राजभाषा क्रियान्वयन में निरंतर उत्कृष्टता, प्रतिबद्धता तथा हिंदी के समग्र प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे प्रभावी प्रयासों की प्रतिष्ठा और भी सुदृढ़ हुई है।

नये साल 2026 से 25 ट्रेनों के समय में आंशिक बदलाव

भोपाल ■ निसं

रेलवे प्रशासन द्वारा 01 जनवरी, 2026 से ट्रेनों की नई समय-सारणी लागू की जा रही है। भोपाल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ियों के संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के अनुसार 01 जनवरी से लागू नई समय-सारणी अनुसार विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ियों के आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन एवं मंडल में अधिकांश गाड़ियों की औसत गति बढ़ने से समय की बचत होगी।

प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान होने वाली ट्रेनों का परिवर्तित समय-

- गाड़ी संख्या 22145 भोपाल-रीवा एक्सप्रेस, भोपाल से 23.05 बजे की बजाय 23.00 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 19324 भोपाल-डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस, भोपाल से 17.00 बजे की बजाय 17.10 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस, भोपाल से 16.55 बजे की बजाय 16.40 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस, रानी कमलापति से 22.00 बजे की बजाय 21.55 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 12197 भोपाल ग्वालियर एक्सप्रेस, भोपाल से 15.15 बजे की बजाय 15.10 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 19712 भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस, भोपाल से 16.35 बजे की बजाय 16.30 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस, रानी कमलापति से 15.50 बजे की बजाय 15.40 बजे प्रस्थान करेगी।
- गाड़ी संख्या 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस, रानी कमलापति से 15.50 बजे की बजाय 15.40 बजे प्रस्थान करेगी ।
- गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतल्ला स्पेशल, रानी कमलापति से 15.40 बजे की बजाय 15.20 बजे प्रस्थान करेगी।

गन्तव्य स्टेशन पर पहुँचने का ट्रेनों का परिवर्तित समय-

- गाड़ी संख्या 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस, रीवा 08.00 बजे की बजाय 07.55 बजे पहुँचेगी ।
- गाड़ी संख्या 11272 भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस, इटारसी 12.30 बजे की बजाय 13.15 बजे पहुँचेगी ।
- गाड़ी संख्या 11602 कटनी-बीना, बीना 19.05 बजे की बजाय 20.00 बजे पहुँचेगी ।
- गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस, भोपाल 17.18 बजे की बजाय 17.00 बजे पहुंचेगी।
- गाड़ी संख्या 51884 ग्वालियर-बीना, बीना 16.25 बजे की बजाय 16.20 बजे पहुँचेगी ।
- गाड़ी संख्या 11603 कोटा-बीना, बीना 16.55 बजे की बजाय 16.50 बजे पहुँचेगी ।

मध्यवर्ती स्टेशन पर ट्रेनों का परिवर्तित समय-

- गाड़ी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर का इटारसी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 01.25/01.40 बजे की बजाय 01.35/01.40 बजे होगा।
- गाड़ी संख्या 12185 रानी कमलापति-रीवा का बीना स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 00.30/00.35 बजे की बजाय 00.25/00.30 बजे होगा।
- गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर का रूठियाई स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 23.15/23.20 बजे की बजाय 23.25/23.30 बजे होगा।
- गाड़ी संख्या 12577 दरभंगा-मैसूर का इटारसी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 12.35/12.45 बजे की बजाय 12.20/12.30 बजे होगा।
- गाड़ी संख्या 22351 सहरसा-सर एम वि.ट. बैगलुरू का इटारसी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 12.35/12.45 बजे की बजाय 12.20/12.30 बजे होगा।
- गाड़ी संख्या 22353 पटना-सर एम वि.ट. बैगलुरू का इटारसी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 12.35/12.45 बजे की बजाय 12.20/12.30 बजे होगा।
- गाड़ी संख्या 22642 हजरत निजामुद्दीन-कन्याकुमारी का इटारसी स्टेशन परआगमन/प्रस्थान समय 12.35/12.45 बजे की बजाय 12.20/12.30 बजे होगा।

ईडी ने एफसीआई के क्लर्क की चार करोड़ की संपत्ति की जब्त

क्लर्क ने बिल्डर को 24 प्रतिशत सालाना ब्याज पर दिए थे 95 लाख

भोपाल ■ निसं

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) भोपाल में सहायक ग्रेड-1 किशोर मीणा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में कार्रवाई की है। मीणा के विरुद्ध ईडी द्वारा 3 मार्च 2025 को विशेष पीएमएलए कोर्ट भोपाल में अभियोजन शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिस पर न्यायालय ने 5 दिसंबर 2025 को संज्ञान ले लिया है। इसके बाद ईडी ने मीणा की प्रापर्टी को जब्त करने की कार्यवाही की है।

सीबीआई की जांच के बाद की कार्यवाही: ईडी ने सीबीआई द्वारा प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट, 1988 के तहत किशोर मीना, जो उस समय असिस्टेंट ग्रेड-द्ध, डिविजनल ऑफिस , फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई), भोपाल में थे, के खिलाफ 4.05 करोड़ रुपये (लगभग) की अनुपातहीन संपत्ति जमा करने के आरोप में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।

सीबीआई जांच के दौरान, यह पता चला कि किशोर मीना ने अवैध पैसे में से 95 लाख रुपये एक बिल्डर को 24 फीसदी वार्षिक ब्याज पर दिए थे। बाद में बिल्डर ने 95 लाख रुपये में से 27.50 लाख रुपये जमा कर दिए। यह भी पता चला कि बिल्डर ने एचडीएफसी बैंक में किशोर मीना के खाते में 67.50 लाख रुपये और जमा किए।

अनमोल वचन

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।
गुरु नानक

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी, छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

भारत के विकासीय मानचित्र को नए सिरे से गढ़ने का ऐतिहासिक अभियान

कांतिलाल मांडोत

2026 और 2027 में होने वाली यह प्रक्रिया न केवल जनसंख्या के ठीक-ठीक आंकड़े देगी बल्कि घरों और परिवारों की वास्तविक परिस्थितियों का अद्यतन चित्र भी प्रस्तुत करेगी।सरकार ने यह तय किया है कि पहला चरण वर्ष 2026 में होगा जिसमें घरों की लिस्टिंग और आवास संबंधी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। यह चरण 30 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह भर नहीं होती बल्कि यह वह आधारशिला है जिसके ऊपर देश की नीतियाँ, विकास योजनाएँ और नागरिकों के अधिकारों की संरचना खड़ी होती है। स्वतंत्रता के बाद से भारतीय जनगणना ने हमेशा समय की आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को विकसित किया है और अब एक बार फिर देश एक बड़े परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। आगामी जनगणना दो चरणों में की जाएगी और इसका स्वरूप पहले की तुलना में अधिक आधुनिक, अधिक पारदर्शी और पूरी तरह से डेटा आधारित होगा। 2026 और 2027 में होने वाली यह प्रक्रिया न केवल जनसंख्या के ठीक-ठीक आंकड़े देगी बल्कि घरों और परिवारों की वास्तविक परिस्थितियों का अद्यतन चित्र भी प्रस्तुत करेगी।सरकार ने यह तय किया है कि पहला चरण वर्ष 2026 में होगा जिसमें घरों की लिस्टिंग और आवास संबंधी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। यह चरण 30 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी-अपनी टाइमलाइन तय करने की स्वतंत्रता दी गई है। यह चरण बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि घरों और परिवारों की सही पहचान आगे होने वाली जनसंख्या गणना की आधारशिला बनती है। वर्षों से यह शिकायत उठती रही है कि कई क्षेत्रों में परिवारों की वास्तविक संख्या और दस्तावेजी आंकड़ों में भिन्नता पाई जाती है। इसी पृष्ठभूमि में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर घरों के अद्यतन डेटा का संग्रह किया जा रहा है, ताकि नागरिकों की पहचान, उनके अधिकारों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का वास्तविक मूल्यांकन संभव हो सके।

दूसरा चरण वर्ष 2027 में आयोजित किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य देश की कुल जनसंख्या का विस्तृत और संरचित आंकड़ा प्राप्त करना है। सरकार ने 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे को जनगणना की रेफरेंस डेट घोषित किया है। इसका अर्थ यह है कि गिनती का आधार वह स्थिति होगी जो देश में इस निर्धारित समय पर होगी। हालांकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनसंख्या गणना इससे पहले सितम्बर 2026 में ही कर ली जाएगी ताकि मौसम संबंधी बाधाओं से प्रक्रिया प्रभावित न हो।

इस जनगणना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें देश की विविधता और सामाजिक संरचना को बेहतर समझने के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेज और जाति आधारित डेटा संग्रह का भी समावेश किया जा सकता है। इन विषयों पर मंत्रालयों, विभिन्न यूज़र ऑर्गेनाइजेशन और विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की जा चुकी है और अंतिम ड्राफ्ट को तैयार करने से पहले इसे फील्ड टेस्टिंग के लिए भी भेजा जाएगा। यह कदम अभूतपूर्व है क्योंकि इससे न केवल यह सुनिश्चित होगा कि प्रश्नावली व्यावहारिक है बल्कि यह भी कि गणना की विधि जमीनी हालात के अनुरूप है।

सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि जनगणना लगभग पूरी तरह पेपरलेस होने जा रही है। इसका मतलब यह है कि गणनाकर्मी टैबलेट, मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से डेटा संग्रह करेंगे। इससे समय की बचत होगी, मानवीय त्रुटियाँ कम होंगी और डाटा का सुरक्षित डिजिटलीकरण तत्काल संभव होगा। डिजिटल प्रक्रिया से पारदर्शिता भी बढ़ेगी क्योंकि डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा और किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना अपने आप कम हो जाएगी।

भारत में पहचान और दस्तावेजों के स्तर पर चल रही सफाई प्रक्रिया का असर भी आगामी जनगणना पर देखने को मिलेगा। सरकार ने 2020 में 2.49 करोड़ राशन कार्ड रद्द किए थे जो या तो डुप्लीकेट पाए गए, अपात्र लाभार्थियों से जुड़े थे या स्थायी स्थांतरण की वजह से उपयोग में नहीं थे। वर्तमान समय में 20.29 करोड़ राशन कार्ड सक्रिय हैं और 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन प्राप्त हो रहा है। यह सुधार जनगणना की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है क्योंकि सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों की वास्तविक संख्या का पता तभी चलता है जब डेटा सटीक हो। इसी तरह राशन कार्डों की सफाई प्रक्रिया यह संकेत देती है कि जनगणना भी इस बार अधिक शुद्ध और तथ्यात्मक होने वाली है।

देश में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाने की दिशा में हो रहे अन्य प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं। सहारा के 6842 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया इसका सबसे बड़ा उदाहरण है जिसके तहत लाखों जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस मिलने की राह खुली। इसी तरह फार्मा सेक्टर में शुरू किए गए व्यापक ऑडिट के तहत 700 से अधिक कफ सिरप निर्माताओं की जांच की जा रही है ताकि दवाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। यह सभी कदम बताते हैं कि राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में डेटा और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। नई जनगणना भी इसी व्यापक सुधार यात्रा का एक स्वाभाविक विस्तार है।भारत में स्टार्टअप संस्कृति भी पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ी है और देश में 1.97 करोड़ स्टार्टअप्स या उद्यमशील इकाइयों का सक्रिय रूप से कार्यरत होना भारतीय अर्थव्यवस्था के नए रूप को दर्शाता है। जनगणना के दौरान एकत्र होने वाला डेटा इन उद्यमों की गतिविधियों, स्थानीय रोजगार, इनोवेशन के केंद्रों और आर्थिक अवसरों के भूगोल को बेहतर समझने का अवसर देगा। इससे भविष्य की औद्योगिक नीति, कौशल विकास योजनाएँ, रोजगार मॉडल और स्टार्टअप सपोर्ट सिस्टम और अधिक प्रभावी बनाए जा सकेंगे। जब कोई देश अपनी जनसंख्या के बारे में तथ्यपूर्ण आंकड़े प्राप्त करता है तब वही डेटा आगे चलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, परिवहन और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं की मूल आधारशिला बनता है। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे राष्ट्र के लिए जनगणना वह आईना है जिसमें देश स्वयं को वस्तुनिष्ठ रूप से देख सकता है। जनगणना का आंकड़ा यह बताता है कि कौन-कौन से क्षेत्र सबसे तेज़ी से बढ़ रहे हैं, किन इलाकों में सुविधाओं की कमी है, किस वर्ग की आबादी किस गति से बढ़ रही है और कहाँ अधिक सरकारी निवेश की आवश्यकता है।आधुनिक जनगणना केवल यह नहीं बताती कि देश में कितने लोग रहते हैं बल्कि यह भी बताती है कि वे कैसे रहते हैं। उनके घरों की स्थिति क्या है, उनके पास कितनी सुविधाएँ हैं। वे किन व्यवसायों से जुड़े हैं, उनकी सामाजिक संरचना क्या है, उनकी आय का स्तर और शिक्षा की स्थिति कैसी है। इस जानकारी के आधार पर ही बीपीएल सूचियों का निर्माण होता है, सामाजिक योजनाओं का आवंटन होता है और भविष्य के लिए बजट तैयार किया जाता है। पेपरलेस जनगणना और घरों की अद्यतन लिस्टिंग से यह सुनिश्चित होगा कि देश की आर्थिक मदद वास्तविक पात्रों तक पहुँचे और योजनाएँ उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकें।भारत की आगामी जनगणना 2026-27 इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि यह केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन है। यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से भारत अपनी वर्तमान स्थिति को समझेगा, अपने भविष्य की दिशा तय करेगा और अपनी नीतियों को अधिक वैज्ञानिक और अधिक इंसान-केंद्रित बनाएगा। आने वाले वर्षों का भारत कितना समावेशी, कितना डिजिटल और कितना सशक्त होगा यह काफी हद तक इस जनगणना पर निर्भर करेगा।

सम्पादकीय

इंडिगो, यात्रियों को तुरंत मुआवजा दे: कोर्ट

एक सप्ताह से ज्यादा समय हो गया। इंडिगो के लाखों यात्री यहां से वहां परेशान हो रहे हैं। एयरलाइंस कंपनी ने डीजीसीए के नियमों का पालन नहीं किया। उसके बाद भी डीजीसीए अतिरिक्त उड़ानों की अनुमति इंडिगो को देती चली गई। इंडिगो एयरलाइंस हवाई यात्रियों को भेड़-बकरी की तरह यहां से वहां मनमाने किराए पर लाने और लेजाने का काम कर रही थी। यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा था। यह कोई पहली बार नहीं हुआ, पिछले कई वर्षों से यात्रियों के साथ हवाई कंपनियां इसी तरह की लूट कर रहीं थी। सरकार और डीजीसीए चुपचाप तमाशा देख रही थी। पहली बार भारत के एयरपोर्ट में यात्रियों की यह बदहाली देखने को मिली है। इंडिगो एवं अन्य एयरलाइंस कंपनियों ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए बड़े पैमाने पर हवाई यात्रियों के साथ लूट करते हुए 5000 की टिकिट 15000 से लेकर 40000 तक में बेचने की मनमर्जी की। हाल ही में एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाकर 1 लाख रूपये तक में टिकिट बेची, इसके पहले एयरलाइन कंपनियों का ऐसा नंगा नाच देखने को कभी नहीं मिला था। एयरपोर्ट पर छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग कई घंटे से लेकर कई दिन तक परेशान होते रहे। उनका सामान एयरलाइंस कंपनी के पास जमा था। एयरपोर्ट में यात्रियों के खाने-पीने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया। बच्चों और महिलाओं का ध्यान भी नहीं रखा गया। इस मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है, देशभर के एयरपोर्ट पर लाखों यात्री फंस गए। हजारों फ्लाइट कैंसिल हो गई। इस गंभीर संकट पर सरकार ने क्या किया? सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है। हाईकोर्ट ने सरकार और इंडिगो प्रबंधन से जवाब मांगा है। हवाई यात्रियों और आम नागरिकों की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जिस तरह से इस मामले की सुनवाई की गई है, सरकार, एयरलाइन कंपनियों को जिस तरह से जिम्मेदार माना है, उससे आम नागरिकों के बीच न्याय व्यवस्था पर भरोसा देखने को मिला है। जिन हवाई यात्रियों को संकट का सामना करना पड़ा है। न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान नहीं लिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करने से मना कर दिया। हाईकोर्ट ने जिस तरह की वैकल्पिक व्यवस्था दी है, उससे लोगों का भरोसा न्याय पालिका के प्रति बढ़ा है। हाईकोर्ट ने कहा एयरलाइन कंपनी तुरंत मुआवजा देने की व्यवस्था करे। उनका सामान एयरलाइंस कंपनी के पास जमा था। एयरपोर्ट में यात्रियों के खाने-पीने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया। बच्चों और महिलाओं का ध्यान भी नहीं रखा गया। इस मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है, देशभर के एयरपोर्ट पर लाखों यात्री फंस गए। हजारों फ्लाइट कैंसिल हो गई। इस गंभीर संकट पर सरकार ने क्या किया? सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है, इस मामले की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट 22 जनवरी को सील बंद लिफाफे में कोर्ट मे प्रस्तुत की जाए। इंडिगो के कारण जो संकट आया है, इसकी स्वतंत्रत जांच कराई जाए। जिन लोगों की फ्लाइट कैंसिल हुई, वह एयरपोर्ट में फंसे रहे, अथवा उन्होंने महंगी टिकट लेकर अपनी यात्रा पुरी की है। ऐसे सभी मामलों में एयर लाइन कंपनी यात्रियों को मुआवजा दे। इस मामले में सांसदों ने ट्रिब्यूनल बनाने की मांग की है। हवाई क्षेत्र से जुड़े कैप्टन अमित सिंह का कहना है, कि संकट में फंसे यात्रियों को न्यूनतम 75000 का मुआवजा दिलाया जाए। हवाई यात्रा की सुरक्षा और यात्रियों के हितों को लेकर स्थाई नियम बनाए जाएं। अभी जो स्थिति बनी है। भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति ना हो। वरिष्ठ अधिवक्ता, सांसद विवेक तन्खा ने भी विमान सेवा में कमी को लेकर यात्रियों को जो तकलीफ हुई है, उसके लिए तुरंत मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने भी हवाई कंपनियों और हवाई यात्रियों के लिए नए नियम बनाने की मांग की है। सांसद का कहना था, फ्लाइट में देरी होती है, सुरक्षा में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी स्थिति में एयर लाइन कंपनियों के लिए नियम सख्त बनाने की जरूरत है। जब तक एयरलाइन कंपनियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी, यात्रियों को हुए नुकसान का जब तक मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक इस तरह की लापरवाही एयर लाइन कंपनियाँ करती रहेंगी। भारत की साख को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरा धक्का लगेगा। हाईकोर्ट के आदेश से हवाई यात्रियों में आशा की एक किरण जागी है, उनके साथ न्याय होगा।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज। व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में?व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है। उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

यूनेस्को ने दीपावली को विश्व धरोहर घोषित किया

ललित गर्ग

दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षण है, जो न केवल भारतीयों को गौरवान्वित करता है बल्कि यह सिद्ध करता है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है।

दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

जब अयोध्या की रामपैड़ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं। यूनेस्को का निर्णय इसी चमत्कार की परिणति है।

दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह पर्व मनुष्य को याद दिलाता है कि हर कठिनाई, हर पीड़ा, हर अंधकार के भीतर एक दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख परंपराओं में दीपावली का अलग-अलग महत्व है, मगर संदेश एक ही है, प्रकाश का मार्ग ही मानवता का मार्ग है। यही अखंड संदेश अब विश्व स्तर पर मान्यता पा रहा है।

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सदैव मानव-कल्याण की प्रेरक रही हैं। कुंभ, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, योग, दुर्गा पूजा जैसी परंपराएँ पहले से विश्व धरोहर सूची में शामिल रही हैं। दीपावली के जुड़ने से यह सूची और उज्जवल हुई है। दीपावली यूनेस्को के उस उद्देश्य को पूर्ण रूप देती है जिसमें कहा गया है कि मानवता की सबसे बड़ी शक्तियाँ वे परंपराएँ हैं जो समय के साथ खो न जाएँ।

दीपावली भारतीय समाज की आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संरचना को एक गहरा संदेश देती है। एक छोटा कुम्हार, जो अपने हाथों से दीए बनाता है, उसी दीये की रोशनी से करोड़ों घर रोशन होते हैं। एक छोटे व्यापारी की दुकान भी दीपावली पर उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी एक बड़ी कंपनी की। यह त्योहार बताता है कि समाज प्रकाश तभी बनता है जब हर व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचे। इसीलिए यह उत्सव भारतीय सामुदायिक चेतना का उत्सव है, समता और समान अवसरों का उत्सव है।

दुनिया आज विभाजन, युद्ध, तनाव, भौतिक लालच और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक दीप की लौ किसी भी गहन अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से दुनिया को यही बताया है कि नैतिक साहस, सद्भाव, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा ही सभ्यताओं को टिकाऊ बनाती है। दीपावली इस सत्य का प्रत्यक्ष प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधुनिक सोच और सांस्कृतिक कूटनीति ने भारत की इन अवधारणाओं को दुनिया के सामने नई ऊर्जा के साथ स्थापित किया है। योग की वैश्विक मान्यता हो, आयुर्वेद का उभार हो, रामायण सम्मेलन हों या भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण, यह सब भारत की सॉफ्ट पावर की विजय है। दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इसी सॉफ्ट पावर की अगली खूबसूरत सीढ़ी है।

मोदी का 'वसुधैव कुटुंबकम' का मंत्र अब भारत की विदेश नीति ही नहीं, बल्कि विश्व-दृष्टि बन चुका है। इसी भावना ने जी20 से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की पहचान को मजबूत किया है। दीपावली का वैश्विक सम्मान इसी मंत्र का विस्तार है, क्योंकि यह त्योहार हर मानव को यह याद दिलाता है कि दुनिया एक है, पीड़ा साझा है, और आनंद भी साझा होना चाहिए।

दीपावली केवल आध्यात्मिक पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मनोविज्ञान भी है। यह मन को खाली नहीं करती, उसे भरती है, उसे बुझाती नहीं, उसे जगाती है। दीपावली मन की धूल झाड़ने, जीवन के प्रति नई आशा जगाने और अपने भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। यही कारण है कि इसे विश्व धरोहर घोषित करना पूरी मानवता के आध्यात्मिक भविष्य को मान्यता देना है।

वैश्वीकरण के प्रभाव ने दुनिया को तकनीकी रूप से भले ही जोड़ा हो, पर मानसिक रूप से विभाजन बढ़ा दिया है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विविधता, विशेषकर दीपावली जैसी परंपराएँ, सभ्यताओं के बीच एक दार्शनिक पुल का काम करती हैं। ये त्योहार दुनिया को यह बताते हैं कि जीवन केवल उपभोग नहीं, संवेदना है, केवल प्रगति नहीं, समरसता है, केवल विकास नहीं, मूल्य भी हैं।

ईश्वर मौत दे देना किसी के कदमों मे मत झुकाना

नरेंद्र भारती

ईश्वर मौत दे देना किसी के कदमों मे मत झुकाना। स्वाभिमान बरकरार रखना। आधी रोटी से भूख मिटा देंगें रूखी सूखी खा लेंगे किसी से दाल नहीं मांगेगे ईमान की रोटी देना ईमान की रोटी मे मिठास बहुत होती है। अक्सर देखा गया है की लोग किसी को ऊपर उठाने के बजाए नीचे गिराने मे तत्पर रहते हैं। चरित्रहीन लोग आज दूसरों का चरित्र दागदार करने की फिराक मे रहते हैं हंसी मजाक उड़ाते हैं ऐसे लोग दूसरों से ईर्ष्या करते हैं कीचड़ उछालते हैं लेकिन ऐसे लोगों के मंसूबे पूरे नहीं होते वक़्त ऐसे लोगों को सबक सीखा देता है। वक़्त ने ऐसे लोगों को नेस्तनाबूद कर दिया इनके काले कारनामो को उजागर कर दिया। कुछ तथाकथित अमीर ऐसे इतराते हैं जैसे कुबेर के वंशज हो अपनी औकात भूल चुके हैं कभी दाने दाने को तसरने वाले आज महंगे होटलों मे ब्रेकफास्ट,डिनर करते हैं और दिखावा करते हैं व्हाट्सप्प और फेसबुक पर फोटो शेयर करते हैं। आदमी को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए। आज लोग एक दूसरे से बेबजह ही दुश्मनी रखते है। किसी का आदर सम्मान नहीं करते उल्टा अपमान करते है। आदमी क़ो अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए क्यूंकि अतीत की परछाईयां मरते दम तक पीछा करती हैं। गरीबों का हक छिना जा रहा हैं लेकिन जब गरीब की बद्दुआ लगती है तो लोहा भी भस्म हो जाता हैं इसलिए गरीब क़ो मत सताओ। ईश्वर सजा जरूर देता हैं। आज मानव दिन रात अकूत धन् कमा रहा हैं लेकिन पल भर की खबर नहीं हैद्य आज लोग दूसरों के रास्ते में कांटे बिछाते हैं लेकिन एक दिन ऐसे लोगों क़ो उनके कर्मो की सजा जरूर मिलती हैं कर्म अनिश्चित हैं लेकिन फल निश्चित हैं। मानव क़ो ऐसे कर्म करने चाहिए की समाज याद कर सके। ऐसे लोगों की सहायता कीजिये जो जरूरत मंद हैं। वक़्त एक जैसा नहीं रहता राज क़ो रंक बनने में एक पल नहीं लगता अहंकार त्याग देना चाहिए। आदमी ताउम्र साम, दाम, दंड, भेद, जैसे हथकंडे अपनाकर पैसा इकट्ठा कर रहा हैं। आज लोग संवेदनहिन् हो गया हैं कौन जी रहा कौन मर रहा कोई सरोकार नहीं है। संवेदना मृतप्राय हो चुकी हैं। आधुनिक मानव स्वार्थ व मतलब तक सीमीत हो गया है। यह बहुत ही त्रासदी है। संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है। नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है। नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं है लोग नैतिकता की अदालत में हा रहे हैं। समाज के बुद्धिजीवी लोगों क़ो मंथन करना होगा नैतिक मूल्य क़ो बरकरार रखना होगा तभी समाज में नैतिकता बनी रहेगी। मंज़िल सबकी मौत है फिर यह नफ़रत, भेदभाव क्यों यह मोह माया क्यों जब पता है की एक दिन इस नशवर संसार से रुख़सत होना है तो यह गिले शिकवे क्यों। मानव ताउम्र भटकता रहता है धनलीपसा में मशगुल रहता हैं उल्टा सीधा काम करके माया क़ो इक्क्ठा कर रहा है आदमी क़ो पता है की यहाँ क़ोई अमर नहीं है। अच्छे कर्म कीजिये यही असली कमाई है। मौत का एक दिन मुकरर है मौत सबको आएगी अमर कोई नहीं रहा। आधुनिक मानव जर, जोरू, जमीन के लिए अपनों का खून कर रहा है रिश्तों का कत्लेआम कर रहा हैं। खुनी रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं। इंसान क़ो कोई नहीं गिरा सकता इंसान ही इंसान क़ो गिरा रहा है। खुनी रिश्ते दरक रहे हैं इन रिश्तों क़ो बचाना चाहिए। अपने ही काम आते हैं दूसरे तमाशा देखते हैं। आज हालात बहुत ही खराब होते जा रहे हैं लोग सोशल मीडिया व व्हाट्सप्प पर व्यस्त रहते हैं चौबीस घंटे भी कम पड़ते जा रहे हैं अपनों के लिए समय ही नहीं हैं समय का अभाव होता जा रहा हैं। अपनों से मनमुटाव हैं मगर सात समंदर पार अजनवी के लिए समय ही समय हैं अपनों का कभी हाल नहीं पूछते लेकिन अजनबी लोगों की पल पल की खबर ली जाती हैं अपना आस पड़ोस ही काम आएगा विदेशी नहीं काम आएगा। इंसान बनो हैवानियत छोड़ दीजिये बुरे कर्मो को त्याग दीजिये कर्मो को सुधारिये। किसी को गुमराह मत कीजिये। अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत कीजिये। मानव क़ो खुद क़ो इतना बुलंद करना चाहिए कि इस तदवीर से पहले ईश्वर बंदे से पूछे की बता तेरी रजा क्या है।

खास बात

वंदे मातरम पर प्रियंका की वाहवाही

लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस मे प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर कटाक्ष किया। इस कटाक्ष से वंदे मातरम बहस की सारी वाह-बाही प्रियंका गांधी ने लूट ली।प्रियंका गांधी ने कहा, सत्ताधारी पार्टी के नेता जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी राजीव गांधी की गलतियां निकालते हैं। 150 साल पहले के वंदे मातरम पर आज चर्चा करने का कोई औचित्य नहीं है। सत्ता पक्ष के लोग संसद में एक बार जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और राहुल गांधी की गलतियों पर जितनी चाहे चर्चा कर लें। उसके बाद देश की वर्तमान समस्याओं पर बात करें। कब तक नेहरू गांधी के पीछे पड़े रहेंगे। वर्तमान को अनदेखा करते रहेंगे। एक बार विशेष सत्र बुलाकर नेहरू गांधी परिवार की सारी गलतियां बता दें।

रूस के राष्ट्रपति और दिल्ली का प्रदूषण

रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत आए थे। उनके स्वागत सत्कार के लिए भारत सरकार ने बड़ी तैयारी की थी। भारत सरकार ने उनके सामने बड़े-बड़े दावे किए। दिल्ली का वायु प्रदूषण जिस स्तर पर है, उसे रूस के राष्ट्रपति ने भी जाना है। दिल्ली के खुले आकाश में सांस लेने पर उनके जीवन के कितने घंटे कम हुए हैं। इसकी चिंता रूस और पुतिन को होना स्वाभाविक है। यह अलग बात है, भारत अपने मुंह मियां-मिट्ठू बनता है।रूस सब जानता है।

क्रिकेट के फुग्गे की हवा निकलना शुरू

टी-20 वर्ल्ड कप 2 महीने बाद होने जा रहा है। जिओ हॉटस्टार ने प्रसारण अधिकार से हटने का इरादा जताया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के लिए यह एक बड़ा झटका है। रिलायंस ग्रुप से संबंधित जिओ ने 2025 से 2027 की अवधि के लिए ऑनलाइन प्रसारण का अधिकार खरीदा था। अब इससे कंपनी वापस बाहर निकलना चाह रही है। कंपनी को एक वर्ष में इस कारोबार से 25760 करोड रुपए का नुकसान हुआ है। जिसके कारण उसने करार छोड़ने का अनुरोध आईसीसी से किया है। लोग कहने लगे हैं, अब क्रिकेट के फुग्गे से हवा तेजी से निकलने लगी है। विश्व में आर्थिक मंदी का असर अब क्रिकेट में भी देखा जा रहा है।

जिहाद हिंसक- अहिंसक दोनों हो सकता है?

मौलाना मदनी ने जिहाद को लेकर एक नई परिभाषा व्यक्त की है। जिसमें कहा गया है, जिहाद हिंसक और अहिंसक दोनों ही तरीके से हो सकता है। शारीरिक और मानसिक दोनों ही तरीके से हिंसक और अहिंसक तरीके से जिहाद किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा, मोहम्मद का सबसे बड़ा आविष्कार जिहाद था। मदीना में उनके सफल होने का यही सबसे बड़ा कारण था। मौलाना मदनी ने जिहाद की जो नई परिभाषा बताई है। उसे समझने की जरूरत है। उनका कहना है, सोच ही अहिंसक और हिंसक बनाती है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोस्त पूर्वे तिथी, अष्टमी, शुक्रवासरे, पू.फा. नक्षत्रे, प्रीत योगे, कौलवकरणे, सिंह की चंद्रमा, रुकमणी अष्टमी, वृक्षारोपण, शिल्प विद्या व्यापार, धान्य छेदन मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चतुर, चपल, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, तथा इंजीनियर, ठेकेदार, शासकीय, अशासकीय, ठेका, पुलिया रोड निर्माण कराने वाला, उत्तम व्यापारी तथा पार्टी संगठक होगा।

मेष राशि- व्यय बाधा, स्वभाव में उद्विग्नता तथा दुख, कष्ट अवश्य ही होगा, समय का ध्यान अवश्य रखे।

वृष राशि- किसी आरोप से बचे, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति अवश्य बन जाएगी, ध्यान दें।

मिथुन राशि- योजनाएं पूर्ण होगी, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

कर्क राशि- इष्ट मित्र सुख वर्धक होगे, कार्यगति में सुधार होवे, विचारे हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि- सामर्थ्य और धन अस्त-व्यस्त हो, सतर्कता से कार्य अवश्य ही निपटा लेवे, ध्यान दें।

कन्या राशि- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, कार्य गति में सुधार होवे, घरेलू चिताएं कम होगी।

तुला राशि- मानप्रतिष्ठा के साधन बने, स्त्रीवर्ग से सुख और शांति अवश्य ही बन जाएगी।

वृश्चिक राशि- अग्नि चोट आदि का भय होगा, व्यर्थ धन का व्यय होगा, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

धनु राशि- तनाव क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम उद्वेग तथा मानसिक भय बना ही रहेगा।

मकर राशि- विवाद ग्रस्त होने से बचिएगा, तनाव क्लेश तथा मानसिक अशांति अवश्य ही होगी।

कुंभ राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य होगे।

मीन राशि- भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति, समय उल्लास में बीतेगा तथा मनोवृत्ति उत्तम बनेगी, ध्यान रखे।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

12 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

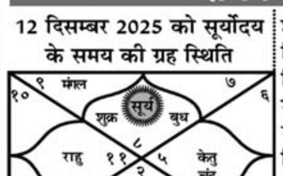

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.53 बजे से
चंद्र	सिंह में	मकर	08.58 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.45 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.48 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.28 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.27 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.40 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.56 बजे से
राहुकाल		कन्या	00.08 बजे से
10.30 से		तुला	02.19 बजे से
12.00 बजे तक		वृश्चिक	04.33 ब.से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 346 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 14.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 05.50 बजे प्रात: को समाप्त।
योग प्रीति 11.12 बजे को समाप्त।
करण कौलव 14.57 बजे तदनन्तर तैतिल 03.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 05'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872556
जूलियन दिन 2461021.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

ई-20 पेट्रोल से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ई-20 यानी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि व्यापक परीक्षणों में यह ईंधन पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है और इससे प्रदूषण कम करने तथा विदेशी मुद्रा बचाने में भी मदद मिलती है। लोकसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की प्रभावशीलता पर उठे सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार द्वारा कराए गए विस्तृत परीक्षणों में ई-20 पेट्रोल से वाहनों की ड्राइवबिलिटी, स्टार्टबिलिटी, धातु और प्लास्टिक संगतता पर कोई नकारात्मक असर सामने नहीं आया है। ई-20 के प्रयोग से देश को महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ मिल रहे हैं। एथनॉल मिश्रण से अब तक 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, जबकि कच्चे माल के रूप में गन्ना और मक्का उपलब्ध कराने वाले किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। गडकरी ने कहा कि एक अप्रैल 2023 से पहले बेचे गए वाहन ई-10 के अनुकूल हैं, जबकि इसके बाद बेचे गए वाहन ई-20 सामग्री-अनुपालन के मानकों पर खरे उतरते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पुराने वाहन को चरणबद्ध तरीके से हटाने या रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता नहीं है और सामान्य घिसावट को नियमित सर्विसिंग में आसानी से संभाला जा सकता है।

शिमला रेलवे स्टेशन को मास्टर प्लानिंग के तहत किया जा रहा विकसित : रेल मंत्री

धर्मशाला। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि हिमाचल प्रदेश को उत्तरी रेलवे जोन में कवर किया गया है और इस जोन के लिए वर्ष 2025-26 के लिए 2,216 करोड़ का बजट आबंटित किया गया है, जिसमें से अब तक 919 करोड़ खर्च किये जा चुके हैं। रेल मंत्री ने यह जानकारी लोकसभा सांसद डॉक्टर राजीव भारद्वाज के सवाल के जवाब में लोक सभा में दी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत देश में 1,337 रेलवे स्टेशन विकसित किये जा रहे हैं जिसमें से हिमाचल के पालमपुर, शिमला, बैजनाथ पपरोला और अम्ब अम्बोटा स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया की इसमें से पालमपुर, बैजनाथ पपरोला और अम्ब अम्बोटा रेलवे स्टेशनों को विकसित कर दिया गया है जबकि शिमला को मास्टर प्लानिंग के अन्तर्गत कवर किया जा रहा है। रेल मंत्री ने बताया कि पंचरुखी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म, शेल्टर, वेटिंग हॉल , पेयजल, शौचालय और यात्रियों के बैठने की उचित सुविधा प्रदान की गई है जोकि तय मापदण्डों से ज्यादा हैं। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों पर वेटिंग हॉल, टॉयलेट, वाटर बूथ, बैठने की उचित व्यवस्था, लिफ्ट, एस्केलेटर/रैंप आदि की आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रहीं हैं।

खाड़ी देशों में भारत का प्रभाव हो रहा कम, सऊदी अरब-पाक में परमाणु सुरक्षा डील

रियाद। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच परमाणु सुरक्षा डील पर हस्ताक्षर किया गया था। अमेरिका में इस डील को अपने सुरक्षा हित से देखा। इस डील में कहा गया है कि सऊदी अरब या पाकिस्तान पर कोई भी हमला हुआ तो दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। अमेरिकी विश्लेषक का मानना है कि इसे कतर पर हुए इजराइल हमले से जोड़कर देखना चाहिए। वह भी तब जब कतर को अमेरिकी सुरक्षा गारंटी मिली हुई थी। सऊदी अरब और पाकिस्तान की इस सुरक्षा डील को कई विश्लेषकों ने भारत के लिए झटका बताया। यह डील अमेरिका की बजाय खाड़ी देशों में भारत के हितों को लेकर ज्यादा अहम और नुकसानदायक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक लेख में सीनियर फेलो जीन लूप ने कहा कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में कुछ भी नया नहीं है। दोनों देशों के बीच लेबर और सुरक्षा को लेकर लंबे समय से करीबी संबंध हैं।

मोदी जी, हम जिंदा रहना चाहते हैं पाक जो दुनिया के लिए खतरा है उससे आजाद कराएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने संविधान संशोधन कर असीम मुनीर को परमाणु बमों का एकाधिकार सौंप दिया है, जिसके बाद पाकिस्तान से लेकर विदेशों में भी परमाणु हथियारों को लेकर चिंता होने लगी है। इस बीच सिंध प्रांत के एक नेता ने भारत के पीएम मोदी को पत्र लिखकर दुनिया को हैरान कर दिया है। सिंधी नेता शफी बुरफत ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान एक खतरनाक रूप से अस्थिर दौर में जा रहा है, जिसे वह चरमपंथी, सैन्य कमांड स्ट्रक्चर कहते हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर को पाकिस्तान के परमाणु बम का मालिक बनाना ना सिर्फ सिंध, बल्कि पूरे इलाके के लिए खतरा है। सिंध नेता ने मानवाधिकार दिवस से एक दिन पहले पीएम मोदी को असीम मुनीर को लेकर पत्र लिखा। इस पत्र में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है।

राज्यसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा

सुधांशु त्रिवेदी ने भारत के लोकतंत्र को बताया जीवंत और सशक्त

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा में गुरुवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद अजय माकन ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है, लेकिन आज शायद भारत में लोकतंत्र जीवित नहीं है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तीन तत्व होते हैं—सभी दलों के लिए समान अवसर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता। निर्वाचन आयोग को अपनी विश्वसनीयता बहाल करनी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि विश्वसनीयता में थोड़ी सी कमी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर सकती है।

पार्टियों के बैंक खातों में असमानताओं को उजागर करते हुए अजय माकन ने कहा कि कांग्रेस के बैंक खाते 2024 चुनाव से पहले फ्रीज़ कर दिए गए थे और केवल चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उन्हें अनफ्रीज़ किया गया। पारदर्शिता को लेकर भी चिंताओं को उजागर करते हुए माकन ने कहा कि एक संशोधन के बाद अब मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज तक पहुंच संभव नहीं रही। उन्होंने पूछा कि अगर कोई गलत काम नहीं हो रहा है, तो चुनाव अधिकारियों को प्रतिरक्षा (इम्युनिटी) क्यों दी जा रही है जब विपक्ष महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा करता है, तो चुनाव आचार संहिता का हवाला देते हुए इसे रिश्वत माना जाता है, लेकिन जब सत्ताधारी दल ऐसा करता है, तो उसे उसी तरह नहीं देखा जाता। चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यदि हम पूर्वी यूरोप से जापान तक देखें, तो वहां केवल तीन लोकतंत्र देश हैं—भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान। उनमें से भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां एक जीवंत और सशक्त लोकतंत्र है।

सदन में अपनी बात रखते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने 1952 के पहले आम चुनाव का जिक्र किया। इस चुनाव में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर भी बॉम्बे (अब मुंबई) नार्थ सीट से चुनावी मैदान में थे। लेकिन, उन्हें इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें हराने वाले कोई और नहीं बल्कि कांग्रेस के उम्मीदवार नारायण काजोलकर थे।

डॉ. त्रिवेदी ने दावा किया कि 34000 वोट रद्द करके उन्हें 15000 वोट से हरा दयिा गया। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडति नेहरू ने एडवनिा माउंटबेटन को एक पत्र लिखा था। सुधांशु त्रविेदी ने सदन को बताया कि नेहरू ने माउंटबेटन को लिखा था, 'बॉम्बे निर्वाचन क्षेत्र में हमारी जीत स्वीकार कर ली गई है। नेहरू ने कथित तौर पर कहा था कि आंबेडकर 'हिंदू कम्युनिस्टों' के साथ हाथ मिला रहे हैं।

आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह सब इंदिरा गांधी की चुनावी जीत पर अदालत में सवाल उठाए जाने का ही परिणाम था। उन्होंने सदन में कहा कि देश में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) की शुरुआत राजीव गांधी के कार्यकाल में हुई थी, लेकिन कांग्रेस के पतन का कारण तकनीक नहीं, बल्कि पारदर्शिता थी। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, कांग्रेस का दौर तब खत्म हुआ जब देश में सीसीटीवी कैमरे आए, वोटर आईडी कार्ड लागू हुए, मीडिया स्वतंत्र हुआ, न्यायपालिका निष्पक्ष हुई और साक्षरता दर 50 प्रतिशत के पार पहुंची। कांग्रेस को वोट तब मिलते थे जब मतपेटियां लूटी जाती थीं। वो दौर था जब बूथ कैप्चरिंग होती थी, गोलियां चलती थीं और लोग मारे जाते थे। तकनीक और जागरूकता ने उस लूट तंत्र को खत्म कर दिया है और अब वह दौर कभी वापस नहीं आएगा।

डीएमके सांसद एनआर इलांगो ने चुनावी सुधारों के कानूनी ढांचे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास एक पूरी तरह से सुरक्षित चुनावी प्रणाली नहीं है। चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई ईवीएम की डिज़ाइन ही सबसे बड़ी समस्याएं पैदा कर रही है। वे चुनाव आयोग की ईवीएम से संबंधित स्नत्तह्य की दो प्रविष्टियों का हवाला देते हुए बताते हैं कि पारदर्शिता की कमी है और तकनीकी चुनौतियां मौजूद हैं।

कांग्रेस ने भारत की संस्कृति, सोच और मूल्यों से किया समझौता: नड्डा

राज्य सभा में वंदे मातरम पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर वंदे मातरम गीत की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, शुरू से ही कांग्रेस ने भारत की संस्कृति, सोच और मूल्यों से समझौता किया। संसद में 'वंदे मातरम्' पर हुई चर्चा के समापन वक्तव्य में जेपी नड्डा ने कहा यह चर्चा दर्शाती है कि वंदे मातरम कितना प्रासंगिक और हमारे दिलों के कितना करीब है। यह बहस उन युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम की एक झलक देती है जिन्होंने उन दिनों को अपनी आँखों से नहीं देखा है। यह गीत कई ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी है और इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम से उत्पन्न भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। यह हमें प्रेरित करता है और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति हमारे अंदर जोश भर देता है। जब अंग्रेजों ने हमारे स्कूलों में अपना राष्ट्रगान 'गॉड सेव द क्वीन' थोपना चाहा, तब बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने हमें वंदे मातरम गीत दिया, जिसका असर पूरे देश में हुआ। नड्डा ने कहा कि वंदे मातरम् को वह सम्मान और स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था और उस समय के नेता इसके लिए जिम्मेदार थे।

मणिपुर हिंसा के बाद शांति-सौहार्द बहाली केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः राष्ट्रपति

इम्फाल ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हाल की मणिपुर हिंसा के बाद राज्य में शांति, सौहार्द और स्थिरता बहाल करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मणिपुर के लोगों की पीड़ा और चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है। राष्ट्रपति ने गुरुवार शाम इम्फाल में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में यह बात कही, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। सिटी कन्वेंशन सेंटर में संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मणिपुर दृढ़ता, साहस और असाधारण सांस्कृतिक विरासत की भूमि है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने खेल, सशस्त्र बलों, कला-संस्कृति और लोकसेवा जैसे क्षेत्रों में देश का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सुरक्षा सुनिश्चित करने, सौहार्द को मजबूत करने और राज्य को स्थिरता तथा समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य है कि विकास और प्रगति का लाभ मणिपुर के हर कोने तक पहुंचे।

राष्ट्रपति ने कहा कि मणिपुर दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत के संबंधों का प्रवेशद्वार है और यहां के युवा, संस्कृति तथा प्राकृतिक सौंदर्य राज्य में असीम संभावनाएं पैदा करते हैं। उन्होंने राज्य की स्वावलंबी महिलाओं का उल्लेख करते हुए नूपी लान (महिला आंदोलनों) के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि घाटी और पहाड़ दोनों क्षेत्रों के लोग नए उत्साह और सामंजस्य के साथ आगे बढ़ेंगे और मणिपुर को खुशहाली की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

राष्ट्रपति ने लोगों से शांति, एकता और विकास के प्रयासों को पूरा सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर ऐसा मणिपुर बनाना है जहां हर बच्चा सुरक्षित महसूस करे, हर महिला सशक्त हो, हर समुदाय शामिल हो और हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़े। इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मु ने ऐतिहासिक मापाल कांगजेइबुंग में एक पोलो प्रदर्शनी मैच भी देखा।

संघ की सेवा की विरासत पर हम सभी को गर्वः विजेन्द्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से त्याग, तपस्या और अनुशासन के साथ समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। उसकी यह यात्रा सेवा और समर्पण से आगे बढ़ी है। हम सभी को संघ की सेवा की इस विरासत पर गर्व होना चाहिए। विजेन्द्र गुप्ता ने यह बात यहां के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के समवेत सभागार में आयोजित सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और संघ विषयक कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम हिन्दुस्थान समाचार समूह की ओर से संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को जागृत करना तथा संघ के योगदान को लोगों के सामने लाना है।

आरएसएस को जानने के लिए कार्यकर्ता और कार्य पद्धति दोनों को समझना जरूरी : इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं अखिल भारतीय कार्यकारणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने गुरुवार को कहा कि संघ को जानने के लिए उसके कार्यकर्ताओं के साथ ही उसकी कार्यपद्धति को भी समझना आवश्यक है। हमारे यहां समृद्धि को नहीं बल्कि चरित्र को श्रेष्ठ माना जाता है।

इंद्रेश कुमार संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर यहां के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के समवेत सभागार में आयोजित सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और संघ विषयक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में नवोत्थान के विशेषांक 'संघ शताब्दी : नए क्षितिज' और युगवार्ता के विशेषांक 'नींव के पत्थर' का विमोचन हुआ। नवोत्थान संघ के शताब्दी वर्ष से जुड़े सांस्कृति चेतना पर केंद्रित है और युगवार्ता विशेषांक में संघ के 105 वरिष्ठ प्रचारकों की संक्षिप्त जीवनी है। इन्द्रेश कुमार ने कहा कि हिन्दुस्थान समाचार की दो पत्रिकाओं- युगवार्ता और नवोत्थान के विशेषांक में हमें 'मॉडल ऑफ ए मेन एंड मॉडल ऑफ प्रोसेस' इन्हीं दोनों विषयों के बारे में देखने को मिलता हैं। इसी को संघ के प्रचारकों और कार्यकर्ताओं ने जीकर दिखाया है।

इन्हीं प्रचारकों के जीवन का इसमें संकलन किया गया है। उन्होंने कहा कि 100 वर्ष पूर्व संघ का असल में धरती पर अवतरण हुआ था और डॉ केशव बलिराम हेडगेवार इस अवतरण के भगीरथ बने थे। हम भाग्यशाली हैं कि हमें इस अवतरण को देखने, इसमें स्नान करने और इस गंगा का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इंद्रेश कुमार ने कहा, 'दुनिया में कई सभ्यताएं बनीं और समाप्त हुईं लेकिन भारत हमेशा से रहा है। हम थे, हम हैं और हम रहेंगे।

यूक्रेन-रूस वार : सेंट पीटर्सबर्ग में भीषण धमाके, मॉस्को ने ड्रोन हमलों को रोका

मॉस्को ■ एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में लगातार बढ़ते हमलों के बीच बुधवार रात एक बड़ा हादसा सेंट पीटर्सबर्ग में सामने आया। शहर के सबसे बड़े बाजार में अचानक कई जोरदार धमाके हुए, जिनकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। इन धमाकों के बाद लगी भीषण आग में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की जान चली गई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार विस्फोटों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पूरा शॉपिंग कॉम्पलेक्स आग की लपटों में घिर गया और लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया। धमाकों के कारणों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि शुरुआती रिपोर्टें बताती हैं कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक महिला को धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई, जबकि एक व्यक्ति आग से बचने के लिए दूसरी मंजिल से कूद गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विशाल काले धुएँ के गुबार उठते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आग कितनी भयानक थी। सुरक्षा एजेंसियां धमाकों के कारणों की जांच में जुटी हैं। इस घटना के कुछ ही समय बाद रूस की राजधानी मॉस्को में भी खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि बुधवार रात एयर डिफेंस सिस्टम ने शहर की ओर बढ़ रहे कई ड्रोन्स को निशाना बनाकर मार गिराया। उनके अनुसार लगभग साढ़े तीन घंटे के भीतर कुल 31 ड्रोन्स को इंटरसेप्ट किया गया। दोपहर में भी एक ड्रोन को गिराया गया था। ड्रोन्स को नष्ट किए जाने के बाद इमरजेंसी टीमें मलबा इकट्ठा करने में जुट गईं। मेयर ने बताया कि इन ड्रोन हमलों में किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि एहतियातन एविएशन मंत्रालय ने मॉस्को के सभी हवाईअड्डों पर उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दीं और कई विमानों को सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया।यह घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब मॉस्को में नाजी जर्मनी पर जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक बड़े सैन्य परेड का आयोजन किया जा रहा है।

पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने 686 मिलियन डॉलर देगा अमेरिका

वाशिंगटन ■ एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी कांग्रेस को पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए 686 मिलियन डॉलर की प्रस्तावित हथियार बिक्री की सूचना दी है। इसमें यह पैकेज 30-दिन की अनिवार्य समीक्षा अवधि में पहुंच गया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल बढ़ा दी है।

रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, सीनेट विदेश संबंध समिति के चेयरमैन जेम्स रिश और हाउस विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन ब्रायन मास्ट को इस संबंध में सूचना दी है। डीएससीए ने पत्रों में कहा कि अमेरिकी वायुसेना पाकिस्तान को करीब 686 मिलियन डॉलर की रक्षा सामग्री और सेवाओं के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) जारी करने वाली है, जिसकी अनुमानित लागत 686 मिलियन डॉलर है। प्रस्तावित पैकेज में 37 मिलियन डॉलर के प्रमुख रक्षा उपकरण (एमडीए) और 649 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और लॉजिस्टिकल सपोर्ट शामिल हैं। एमडीए सूची में 92 लिंक-16 टेक्निकल डेटा लिंक सिस्टम भी शामिल हैं। यह एक जैम-प्रतिरोधी डिजिटल नेटवर्क है, जिसका उपयोग अमेरिकी और सहयोगी सेनाएं वास्तविक समय में युद्धक्षेत्र की जानकारी शेयर करने के लिए करती हैं। छह एमके-82 इनर्ट के अलावा 500-पाउंड बम बॉडी भी शामिल हैं, जो बिना गाइड वाले और कम ड्रैग वाले प्रशिक्षण हथियार हैं।

इनका इस्तेमाल विशेष रूप से इंटीग्रेशन और रिलीज परीक्षण के लिए किया जाता है। इस डील में कई तरह की गैर-एमडीए वस्तुएं भी शामिल हैं, जिसमें एवियोनिक्स अपडेट, ऑपरेशनल फ्लाइट प्रोग्राम संशोधन, सुरक्षित संचार प्रणाली, आइडेंटिफिकेशन फ्रेंड या फो इक्विपमेंट, क्रिप्टोग्राफिक एप्लीक, मिशन-प्लानिंग सिस्टम, परीक्षण उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, ट्रेनिंग डिवाइस, सिमुलेटर, पब्लिकेशन और कॉन्ट्रैक्टर इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि ये अपग्रेड पाकिस्तान को अपने ब्लॉक-52 और मिड-लाइफ अपग्रेड एफ-16 बेड़े को आधुनिक बनाने में मदद करेगा। नोटिस में कहा गया है कि यह डील अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को सपोर्ट करेगी।

एक बार ईंधन भरने के बाद आठ घंटे चलता है हाइड्रोजन जलयान

कोचीन शिपयार्ड में बना है भारत का पहला हाइड्रोजन चालित जलयान

वाराणसी ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में देश की पहले हाइड्रोजन चालित जलयान गंगा नदी में गुरूवार से विधिवत चलने लगा है। इस जलयान को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित किया गया है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार शहरी परिवहन के लिए डिज़ाइन की गई 24 मीटर लंबा यह कैटामरान वातानुकूलित केबिन में 50 यात्रियों को ले जा सकती है और 6.5 समुद्री मील की गति से चलती है। इसकी हाइब्रिड ऊर्जा प्रणाली में हाइड्रोजन ईंधन सेल, बैटरी और सौर ऊर्जा का संयोजन है, जिससे एक बार हाइड्रोजन भरने पर यह आठ घंटे तक चल सकती है। यह जलयान इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग द्वारा प्रमाणित है। हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान की वाणिज्यिक सेवा की शुरुआत स्वच्छ और अधिक टिकाऊ समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल के नेतृत्व में, आईडब्ल्यूएआई मेरीटाइम इंडिया विजन 2030 और मेरीटाइम अमृत काल विजन 2047 के अंतर्गत उन्नत हरित प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधनों को अपनाने को बढ़ावा दे रहा है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के स्वामित्व वाला यह जलयान 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों में स्वच्छ, टिकाऊ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करती है। पायलट जलयान एफसीवी पायलट-01 को चालू करने के लिए, आईडब्ल्यूएआई, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड ने तकनीकी सहायता, संचालन और निगरानी को रेखांकित करते हुए एक त्रिपक्षीय समझौता किया है। इस समझौते में वित्तीय शर्तें, सुरक्षा प्रक्रियाएं, निगरानी तंत्र और पायलट चरण के दौरान आवधिक निरीक्षण के प्रावधान शामिल हैं। वाराणसी में शुरू हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान शहरी जल परिवहन को कई महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाता है, जिनमें यात्रियों और तीर्थयात्रियों के लिए शोर-मुक्त यात्रा, केवल जल उत्सर्जन धुआं मुक्त, प्रदूषण मुक्त, और जलमार्गों के माध्यम से तेज आवागमन से सड़क पर भीड़भाड़ में कमी शामिल है। इससे स्थानीय पर्यटन और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

तमिलनाडु से आए महर्षि अगस्त्य वाहन दल के लोगों ने किए काशी विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम में तमिलनाडु से भाग लेने आए महर्षि अगस्त्य वाहन दल में शामिल लोगों ने गुरूवार को श्री काशी विश्वनाथ दरबार में हाजिरी लगाई। और मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया। समूह के धाम आगमन पर मंदिर परिसर में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंदिर के शास्त्रियों ने पुष्पवर्षा, डमरू वादन और पारंपरिक वेदघोष के साथ तेनकाशी से आए सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। धाम में दर्शन के पश्चात मंदिर प्रशासन ने सभी सदस्यों को काशी विश्वनाथ धाम के भव्य कॉरिडोर का विस्तृत भ्रमण कराया। भ्रमण के दौरान दल के लोगों को धाम के प्राचीन इतिहास, इसके स्थापत्य वैभव, नवनिर्मित सुविधाओं तथा दर्शनार्थियों की निरंतर बढ़ती संख्या के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके बाद मंदिर न्यास से संचालित अन्नक्षेत्र में महर्षि अगस्त्य वाहन दल के लिए दोपहर के भोजन (प्रसाद) की विशेष व्यवस्था की गई।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है – 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं – बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है – फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरु के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

संक्षिप्त समाचार

सार्थक आर्य और सिंड्रेला दास ने ज़बरदस्त प्रदर्शन

रांची। ओडिशा के उभरते पैडलर सार्थक आर्य और पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास ने आज यहाँ पाँचवीं यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-17 वर्ग के खिताब जीतकर एक शानदार सीज़न का सफल समापन किया। दोनों खिलाड़ियों ने इस सत्र में यह दूसरा राष्ट्रीय रैंकिंग खिताब अपने नाम किया। हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम में हुए बॉयज़ अंडर-17 के फाइनल में, सार्थक आर्य ने अपनी दृढ़ता और धैर्य का परिचय देते हुए पश्चिम बंगाल के रूपम सरदार को 3-1 (11-6, 11-7, 4-11, 14-12) से पराजित किया। यह पंचकूला में जीती गई उनकी पिछली सफलता के बाद सीज़न का उनका दूसरा राष्ट्रीय खिताब है।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच में आपस में ही भिड़ गये खिलाड़ी

करांची। पाकिस्तान में एक फुटबॉल मैच में खिलाड़ी ही नहीं अधिकारी भी आपस में भिड़ गये। ये मैच पाक सेना और पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन के बीच हुआ इसमें हुई हाथापायी में कड़ी खिलाड़ी और अधिकारी घायल भी हुए हैं। इस मामले की जांच अब पाक ओलंपिक कमेटी कर रही है। सेमीफाइनल में जब दोनो टीमों के बीच जब झगड़ा चल रहा था तब मैच का प्रसारण हो रहा था, इसलिए लोगों ने भी ये सब देखा जिसके बाद सोशल मीडिया में भी इसके वीडियो आने लगे। ऐसे में अब प्रशंसकों ने दोनों टीमों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की है। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब फुटबॉल फेडरेशन के कुछ सदस्यों ने सेना के खिलाड़ियों के सामने ही जीत का जश्न मनाना शुरु कर दिया। इससे उसके खिलाड़ी भड़क गये।। एक खेल अधिकारी ने कहा है उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है। इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है।

भारत में 100 और श्रीलंका में 290 शुरुआती कीमत, 7 फरवरी से टूर्नामेंट

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टिकट आज से बिकना शुरू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टिकट की ब्रिकी शुरू हो चुकी है। आईसीसी ने भारतीय समयानुसार शाम 6.45 बजे से टिकट विंडो ओपन कर दी। 20 टीमों का आईसीसी टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरू होगा, जो 8 मार्च तक खेला जाएगा।

शुरुआती कीमत 100 रुपए आईसीसी ने गुरुवार को बताया कि फेज-1 में भारत के वेन्यू पर टिकट की शुरुआती कीमत 100 रुपए हैं। वहीं श्रीलंका के वेन्यू शुरुआती कीमत 1000 लंकन रुपया (290 रुपए) है। हालांकि, भारत के मैच के टिकट की शुरुआती कीमत 500 रुपए हैं। फेज-2 के टिकट बिक्री की तारीखें जल्द अनाउंस की जाएंगी। दर्शक वर्ल्ड कप की ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट खरीद सकते हैं।

20 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमों के बीच 29 दिन में 55 मैच खेले जाएंगे। ग्रुप स्टेज में हर दिन 3 मैच होंगे। मुकाबले शुरू होने की टाइमिंग सुबह 11, दोपहर 3 और शाम 7 बजे रहने वाली है। सुपर-8 स्टेज में हर दिन 2 ही मैच होंगे। वहीं नॉकआउट स्टेज में एक दिन में एक ही मैच होगा, जिसकी टाइमिंग शाम 7 बजे रहेगी।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट पिछले वर्ल्ड कप की तरह ही रहेगा। जिसमें 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 में क्वालिफाई करेंगी। यहां टीमों को 4-4 के 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। यहां भी दोनों ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सेमीफाइनल में एंट्री मिलेगी। सेमीफाइनल जीतने वाली 2 टीमों के बीच 8 मार्च को फाइनल खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में 4, सुपर-8 में 3 मैच होंगे ग्रुप स्टेज में हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 4-4 मैच खेलेंगी। ज्यादा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में रहने पर ही सुपर-8 में एंट्री मिलेगी। सुपर-8 राउंड में भी हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी फाइनल तक पहुंचने वाली 2 टीमें 8-8 मैच खेल लेंगी। भारत-पाकिस्तान 15 फरवरी को भिड़ेंगे आईसीसी ने 25 नवंबर को आईसीसी टूर्नामेंट का शेड्यूल रिलीज कर दिया था। नीदरलैंड और पाकिस्तान के बीच 7 फरवरी को कोलंबो में ओपनिंग मैच खेला जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे से भारत अपना पहला मैच अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। टीम फिर 12 फरवरी को नामीबिया, 15 को पाकिस्तान और 18 को नीदरलैंड से भिड़ेगी।

भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 टाइटल जीते टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई। भारत ने पहले एडिशन के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था। इसके 17 साल बाद भारत ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराया और दूसरी बार टाइटल जीता। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 टाइटल जीते हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने 1-1 बार खिताब जीता है।

रोहित-कोहली का ए+ ग्रेड खतरे में: 22 दिसंबर को होने वाली बीसीसीआई की मीटिंग में खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सबसे बड़ा मुद्दा होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली ए + ग्रेड में हैं, लेकिन उनका टॉप ग्रेड से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। वजह यह कि दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे खेल रहे हैं। उनकी जगह शुभमन गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल के+ ग्रेड में प्रमोशन पर चर्चा होगी।

स्पेन में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए एटलिटिको बिलबाओ और पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाड़ी।

राजगीर की खेल अकादमी को एएचएफ और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

पटना ■ एजेंसी

यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब खान ने बुधवार को चेन्नई में जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद आयोजित एक विशेष समारोह में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को प्रदान किया।

राजगीर स्थित बिहार राज्य खेल अकादमी को एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) अकादमी और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्रदान की गई है जो बिहार के खेल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब खान ने बुधवार को चेन्नई में जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद आयोजित एक विशेष समारोह में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को प्रदान किया। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्रेयसी सिंह ने कहा कि हॉकी की विश्व में सर्वोच्च संस्था से राज्य खेल अकादमी को मिली यह मान्यता न केवल बिहार के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह राज्य की उभरती खेल क्षमता और एशियाई हॉकी संरचना में राज्य की सशक्त उपस्थिति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार किसी राज्य खेल अकादमी को यह मान्यता प्रदान की गई है।

एएचएफ ने अपने पत्र में कहा, 'राजगीर खेल अकादमी को एएचएफ अकादमी एवं हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में प्रमाणित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह मान्यता अकादमी के विज़न, विश्वस्तरीय खेल ढांचा, जमीनी स्तर से लेकर हाई परफॉर्मेंस तक हॉकी के विकास के लिए संस्थागत तैयारी और समर्पण को दर्शाती है।'

ऑल इंडिया जूनियर टेनिस : कनिष्क, इंसियाह और असमी दो वर्गों के फाइनल में

टेनिस क्लब में आज होगा खिताबी मुकाबला

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित ऑल इण्डिया चैम्पियनशिप सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट (18 वर्ष आयु वर्ग) के सेमीफाइनल मुकाबले संपन्न हो चुके हैं। म.प्र. के तीन खिलाड़ी कनिष्क खथुरिया, इंसियाह महुवाला और असमी रघुवंशी ने अपने-अपने वर्ग के एकल और युगल दोनों के फाइनल में जगह बनाकर दोहरी सफलता की ओर कदम बढ़ा दिया है।

बालक एकल फाइनल में कनिष्क खथुरिया का मुकाबला महाराष्ट्र के वीर महाजन से होगा। कनिष्क ने सेमीफाइनल में आरूष जैन को 6-2, 6-0 से हराया, जबकि वीर महाजन ने धैर्या विमल को 6-3, 6-1 से पराजित किया। बालिका एकल फाइनल में म.प्र. की ही इंसियाह महुवाला और असमी रघुवंशी आमने-सामने होंगी; इंसियाह ने ऋषिना त्रिपाठी को 6-2, 6-2 से मात दी और असमी ने रेवा शर्मा को 3-0 पर (रिटा.) हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

युगल वर्ग में भी सभी फाइनल टीमें तय हो गई हैं। बालक युगल में, कनिष्क खथुरिया और अदवेता नागर की जोड़ी ने धैर्या विमल/तनय कोटक को 6-2, 6-4 से हराया, जबकि गौतम वेंकटेश/प्रदुयम्न तथाचार ने मयंक राजन/आरूष जैन को 6-4, 6-2 से हराकर खिताबी मुकाबले में स्थान बनाया। बालिका युगल में, इंसियाह महुवाला और असमी रघुवंशी की जोड़ी ने मनुस्मृति सिंह/अहाना फलजले को 7-5, 6-2 से मात दी, और सोनिया दत्ता/ऋषिना त्रिपाठी की जोड़ी ने अवनि शर्मा/रेवा शर्मा को 6-1, 6-1 के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

व्यापार समाचार

हेनरिक ब्रौन बने कोका-कोला के नए सीईओ

भारत में 'बड़े अवसर' देख रही है यूनिलीवर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ब्रिटिश उपभोक्ता उत्पाद कंपनी यूनिलीवर ने भारत को आने वाले वर्षों में अपना सबसे बड़ा विकास बाजार बताया है। कंपनी के सीईओ फर्नांडो फर्नांडीज के अनुसार भारत में जीएसटी घटाने, टैक्स रियायतें देने और ब्याज दर कम करने जैसे कदमों से खपत को नया बल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य महंगाई के कारण पिछले वर्षों में मांग कमजोर हुई थी, लेकिन अब सुधार साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत की तिमाही जीडीपी 8.2 प्रतिशत रही है और इससे बाजार में नई जान आई है।'

फर्नांडीज ने बताया कि जीएसटी में कटौती से यूनिलीवर के लगभग 40 प्रतिशत उत्पादों को सीधा फायदा होगा। कंपनी ने हिंदुस्तान यूनिलीवर के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव किए हैं और नए नेतृत्व को तेज वॉल्यूम ग्रोथ का लक्ष्य दिया है। सीईओ के मुताबिक भारत की आबादी में अलग-अलग आय स्तर वाले लोग हैं, जिससे हर श्रेणी में बाजार तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूनिलीवर अपने ब्रांडों के जरिए इस बड़ी संभावनाओं वाले बाजार का पूरा लाभ उठाने को तैयार है।

कोका-कोला ने किया नया सीईओ नियुक्त: कोका-कोला ने अपने मुख्य परिचालन अधिकारी हेनरिक ब्रौन को ही कंपनी के सीईओ के रूप में चुना है। कंपनी ने घोषणा की हेनरिक 2026 की पहली तिमाही में पदभार संभालेंगे। कोक के वर्तमान अध्यक्ष और सीईओ जेम्स क्विन्सी कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। बता दें कि 57 वर्षीय ब्रौन कोका-कोला में तीन दशकों से कार्यरत हैं। इस वर्ष की शुरुआत में सीओओ का पदभार संभालने से पहले, उन्होंने ब्राजील, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन और दक्षिण कोरिया में परिचालन का नेतृत्व किया।

क्विक व ई-कॉमर्स के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे खुदरा किराना स्टोर: देश में क्विक और ई-कॉमर्स के बढ़ने से किराना स्टोरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। फेडरेशन ऑफ रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआरएआई) ने छोटे और मध्यम खुदरा विक्रेताओं को बचाने के लिए सरकार से एक समर्पित तकनीकी प्लेटफॉर्म बनाने का आग्रह किया है, जो उन्हें हाइपरलोकल डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा।

इंडियन सेलर्स कलेक्टिव के राष्ट्रीय समन्वयक और एफआरएआई के मानद प्रवक्ता अभय राज मिश्रा ने कहा, छोटे रिटेलर्स और किराना दुकानदारों को एक ऐसी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जो पहले कभी उनके सामने नहीं आई, क्योंकि ई-कॉमर्स व क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मार्केट को नया स्वरूप दे रहे हैं। क्विक और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के विस्तार से हजारों स्थानीय किराना दुकान मालिकों की आय एवं आजीविका में भारी गिरावट आ रही है। ब्लिंकिट एवं जेप्टो जैसे क्विक कॉमर्स की ओर ग्राहकों के झुकाव के कारण पिछले साल दो लाख किराना स्टोर बंद हो गए थे।

डाटा मध्यस्थ कंपनियों की शर्तें जटिल-एसबीआई: एसबीआई के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी ने सभी वित्तीय सेवा उत्पादों के लिए ग्राहकों से एक ही सहमति प्राप्त करने के अकाउंट एग्रीगेटर यानी डाटा मध्यस्थ कंपनियों के तंत्र पर चिंता व्यक्त की है। अधिकांश ग्राहक बारीक अक्षरों में लिखी शर्तों को नहीं पढ़ते और अक्सर विवरण को समझे बिना ही साइन अप कर लेते हैं। अकाउंट एग्रीगेटर भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से विनियमित संस्थाएं हैं जो सहमति आधारित डाटा मध्यस्थ के रूप में कार्य करती है। वर्तमान में इस पर लगभग 22 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। तिवारी ने कहा, कोई भी बारीक अक्षरों में लिखी शर्तें नहीं समझता है।

अमेरिकी फेड की तीसरी दर कटौती

2026 में आरबीआई के 5% रेपो रेट पर स्थिर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने लगातार तीसरी बार ब्याज दर घटाई, जबकि 2025 में कुल 75 आधार अंकों की कटौती हो चुकी है। कमजोर श्रम बाजार और शटडाउन के कारण आर्थिक डेटा की कमी इस फैसले की बड़ी वजह है। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री दिपानविता मजूमदार के अनुसार, भारत का रेपो रेट 2026 में 5% पर स्थिर रह सकता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने वर्ष के अंत में अपनी तीसरी लगातार ब्याज दर कटौती की घोषणा की है। फेड ने फेडरल फंड्स रेट को घटाकर 3.50% से 3.75% की सीमा में ला दिया है। वर्ष 2025 में कुल मिलाकर 75 आधार अंकों की कटौती की जा चुकी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी श्रम बाजार के संकेतक लगातार कमजोर बने हुए हैं और सरकार के शटडाउन के कारण नई आर्थिक सूचनाओं का प्रवाह बाधित हो गया है।

आरबीआई 2026 में ब्याज दर रखेगा स्थिर: बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री दिपानविता मजूमदार ने कहा है कि मौजूदा वैश्विक रुझानों और घरेलू स्थिति को देखते हुए भारत का रेपो रेट कैलेंडर वर्ष 2026 में 5% के स्तर पर स्थिर रहने की संभावना है।

भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर है नियंत्रित: फेड की यह नीति वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों पर महत्वपूर्ण असर डालेगी, और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को अपने मौद्रिक फैसलों में इससे जुड़े बदलावों को ध्यान में रखना होगा। मजूमदार ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर काफी हद तक नियंत्रित रहा है। इसका कारण अमेरिका की तुलना में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में अधिक तेजी से की गई कटौती है। ब्याज उपज में अंतर ने भी नीतिगत दरों में अंतर के समान ही रुझान दिखाया है। इससे शुरुआती महीनों में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह को समर्थन मिला।

रुपये में अस्थिरता ने निवेश के प्रवाह पर डाला असर: उन्होंने कहा कि हालांकि, रुपये की अस्थिरता ने हाल के समय में निवेश प्रवाह को प्रभावित किया है। आगे चलकर, हम उम्मीद करते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दर का अंतर मौजूदा स्तर पर बना रहेगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि निकट भविष्य में भारत और अमेरिका के बीच उच्च उपज अंतर से विदेशी निवेश (एफपीआई) प्रवाह को समर्थन मिलेगा और इससे मुद्रा को कुछ हद तक मजबूती मिलने की उम्मीद है। घरेलू खाद्य कीमतों पर नियंत्रण होने के कारण मुद्रास्फीति का अंतर भी भारत के पक्ष में झुका रहेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह रेपो दर को पहले के 5.50% से घटाकर 5.25% कर दिया। नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) 3% पर अपरिवर्तित है, और स्थायी सुविधा दर को 5.25% से घटाकर 5% कर दिया गया है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़कर 29,911 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 29,911 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो अक्टूबर के 24,690 करोड़ रुपये की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। यह तीन महीने की गिरावट के बाद निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देता है। इक्विटी प्रवाह में सुधार के चलते उद्योग की कुल परिसंपत्तियां (एयूएम) भी बढ़ीं। अक्टूबर में 79.87 लाख करोड़ रुपये होने के बाद, नवंबर में एयूएम बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये हो गई। नियमित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में नवंबर में मामूली कमी देखी गई। अक्टूबर में 29,631 करोड़ रुपये जमा हुए थे, जबकि नवंबर में यह घटकर 29,445 करोड़ रुपये रह गए।

आरडी, सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न का बेहतरीन विकल्प

मुंबई। पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीमें अब भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हैं। इनमें से एक है पोस्ट ऑफिस रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) जिसमें हर महीने छोटी राशि जमा कर कोई भी बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें सरकार की गारंटी होती है, यानी आपका पैसा 100 फीसदी सुरक्षित रहता है। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस आरडी पर वार्षिक 6.7 फीसदी ब्याज मिल रहा है। यह फिक्स्ड इनकम विकल्पों की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान करता है। इसे कोई भी व्यक्ति 100 से शुरू कर सकता है।

भारत में निवेश रिकॉर्ड स्तर पर, कंपनियों का कैपेक्स बढ़ा: रिपोर्ट

भारत की लिस्टेड कंपनियों ने सितंबर 2025 तक सालाना 11.7 लाख करोड़ का निवेश किया

मुंबई, एजेंसी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत की लिस्टेड कंपनियों ने सितंबर 2025 तक सालाना 11.7 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यदि केंद्र और राज्य सरकारों का खर्च जोड़ें, तो कुल निवेश 31.6 लाख करोड़ रुपये के सबसे बड़े स्तर पर पहुंच गया। बिजली, ऊर्जा, फैक्टरी, धातु और ऑटो सेक्टर के कंपनियां इस बढ़त की अगुवाई कर रही हैं। पहले साल में 100 मिलियन डॉलर से अधिक निवेश करने वाली कंपनियों की संख्या 135 थी, जो अब बढ़कर 169 हो गई है। यह दर्शाता है कि भारत में निवेश अब सभी आकार की कंपनियों में तेजी से फैल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, मटेरियल और बड़े निर्माण वाले सेक्टर तेजी दिखा सकते हैं। दुनिया में कई देश खुद उत्पादन बढ़ा रहे हैं, और भारत ऊर्जा, रक्षा, रेयर-अर्थ, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल नेटवर्क में तेजी से अपनी ताकत बढ़ा रहा है। निवेश ज्यादातर पुराने और मजबूत उद्योगों में हो रहा है, जिससे भारत दुनिया के लिए सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्प बन रहा है। वित्त वर्ष 26 के पहले छह महीनों में निवेश दर 34 फीसदी तक पहुंच गई। कम महंगाई और संभावित ब्याज दरों में कमी से कंपनियों के लिए लोन सस्ता होगा, जिससे निवेश और तेज होगा। कंपनियों का मुनाफा जीडीपी के 5.2 फीसदी तक पहुंच गया है और उनका कर्ज कम है, जो भविष्य में निवेश को और बढ़ावा देगा।

नवंबर महीने में सालाना आधार पर 24.5% का इजाफा

एआई की बढ़ी मांग के कारण बढ़ी टीएसएमसी की रेवेन्यू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दुनियाभर में एआई तकनीक की तेजी से बढ़ती मांग का सीधा असर अब सेमीकंडक्टर कंपनियों के राजस्व पर दिखने लगा है। ताइवान की चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी (ज्ञस्स्ष्ट) का नवंबर 2025 का राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 24.5% बढ़कर 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर हो गया।

दुनिया में एआई की बढ़ती मांग का असर अब इन्हें बनाने वाली कंपनियों पर दिखने लगा है। ताइवान की सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी टीएसएमसी का राजस्व नवंबर में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। माना जा रहा है कि यह वृद्धि एआई चिप्स की मजबूत वैश्विक मांग के कारण हुई है। हालांकि मासिक आधार पर राजस्व की बात करें तो यह अक्तूबर की तुलना में कम रहा।

कंपनी ने 343.61 अरब का शुद्ध लाभ दर्ज किया: कंपनी के आधिकारिक बयान के अनुसार, नवंबर 2025 के लिए उसका समेकित शुद्ध राजस्व 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर (एनटीडी) रहा। यह लगभग 10.99 अरब डॉलर (1 एनटीडी = 0.032 डॉलर) के बराबर है।

कंपनी ने बयान में कहा कि समेकित आधार पर, नवंबर 2025 का राजस्व लगभग 343.61 अरब एनटीडी था। यह अक्तूबर 2025 से 6.5 प्रतिशत कम और नवंबर 2024 से 24.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के बयान के अनुसार, यह नवंबर 2024 में दर्ज किए गए 276.06 अरब एनटीडी (8.83 अरब अमेरिकी डॉलर) से 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हालांकि, मासिक आधार पर, राजस्व अक्तूबर 2025 में दर्ज किए गए एनटीडी 367.47 अरब (11.76 अरब डॉलर) से 6.5 प्रतिशत कम रहा। यह पिछले महीनों में मजबूत वृद्धि के बाद अल्पकालिक मांग में नरमी को दर्शाता है। 2025 के पहले ग्यारह महीनों में, दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी ने कुल एनटीडी 3,474.05 अरब का राजस्व अर्जित किया, जो 111.17 अरब डॉलर के बराबर है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए एनटीडी 2,616.14 अरब (83.72 अरब डॉलर) की तुलना में 32.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

फायर-बोल्ट क्लिक स्मार्टवॉच कम बजट में उपलब्ध

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फायर-बोल्ट क्लिक स्मार्टवॉच कम बजट में शानदार फीचर्स के साथ उपलब्ध है। स्मार्टवॉच अब सिर्फ फैशन या फिटनेस गैजेट नहीं बल्कि कम्युनिकेशन का आसान माध्यम बन चुकी हैं। यह घड़ी सिम कार्ड स्लॉट और फ्रंट कैमरा के साथ आती है, जिसकी वजह से फोन से कनेक्ट हुए बिना ही कॉलिंग, मैसेजिंग और वीडियो कॉलिंग की जा सकती है। यह उन लोगों के लिए खास विकल्प है जो फोन पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। फायर-बोल्ट क्लिक को अमेजन पर 2,799 रुपये की कीमत में सूचीबद्ध किया गया है। इस पर बैंक ऑफर, कैशबैक और नो-कॉस्ट ईएमआई जैसे फायदे दिए जा रहे हैं। वॉच वाइनबेरी ब्लेंड, स्काईलाइन पल्स और अन्य कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है।

स्वस्थ शरीर के लिए खेल गतिविधियों में सहभागिता करनी होगी: मंत्री पटेल

विदिशा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल गुरूवार को विदिशा के ग्राम मढीपुर में आयोजित दैनिक भास्कर और बेतवांचल लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फायनल मुकाबले को देखा और विजेता, उप विजेता टीमो के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया है।

मंत्री पटेल ने कार्यक्रम आयोजक व प्रतिभागियो को बधाई देते हेतु आयोजन को सफल बताया। उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी चिंता यही है कि युवा पीढ़ी अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक होकर सफल व्यक्ति बनें। दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है और भारत देश भी आगे बढ़ रहा है। जिसमें युवाओं की महती भूमिका है। मंत्री पटेल ने कहा कि युवाजनो को भविष्य में मोर्चा संभालना पड़ेगा। सफलता का ताज भी आपके सर पर ही होगा। उन्होंने अपने कॉलेज के समय में एक पत्र के वाक्य को सुनाते हुए कहा कि जिंदगी भविष्य में गुजारनी है इसलिए हमें भविष्य के बारे में सोचना होगा। उन्होंने कहा कि पूरी जिंदगी युवाओं के सामने है इसलीए स्वस्थ शरीर आवश्यक है। धनपति का बेटा हो या गरीब का बेटा हो उसे स्वस्थ शरीर के लिए मैदान में आना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक चूक हमें नहीं हराती हमारी टीम को हराती है और एक धैर्य और साहस हमें नहीं हमारी पूरी टीम को विजयी बनाता है। वात्सल्य की टीम निर्धारित 12 ओवर भी पूरे नहीं खेल सकी और 11.2 ओवर में 84 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम का कोई भी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल सका। वात्सल्य की ओर से ध्रुव कुशवाह ने 26 गेंदों पर 30 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट मैरी की टीम ने दमदार शुरुआत की और 8.4 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सेंट मैरी ने यह मुकाबला 6 विकेट से जीतकर टूर्नामेंट के पहले फाइनल का खिताब अपने नाम किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आदित्य दांगी को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

पुरस्कार: पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल, विदिशा विधायक मुकेश टण्डन समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने विजेता, उप विजेता सहित पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया है। आज ग्राम मढ़ीपुर (विदिशा) में आयोजित दैनिक भास्कर और बेतवांचल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच के विजेता सेंट मैरी एवं उपविजेता वात्सल्य टीम को गोल्डन ट्रॉफी और चेक देकर पुरस्कृत किया।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष आयोजनों से पहले जिलेभर में एकता का संदेश दिया

समरसता यात्रा का सोमेश्वर धाम में समापन

रायसेन ■ निसं

आरएसएस के शताब्दी वर्ष में 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच होने वाले हिंदू सम्मेलनों को सफल बनाने के उद्देश्य निकल जा रही समरसता यात्रा का सोमेश्वर धाम में गुरुवार शाम को समापन हो गया। यात्रा 6 दिसंबर को शुरू हुई थी और इसका उद्देश्य 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच होने वाले सम्मेलनों को सफल बनाना था।

यात्रा की शुरुआत 6 दिसंबर को हनुमानगढ़ सुल्तानगंज के माता मंदिर सुनवाहा से हुई थी। यह रथ यात्रा जिले के अनेक मंडलों, बस्तियों और ग्रामों से गुजरी। इस दौरान निर्धारित स्थानों पर सभाएं आयोजित की गईं, जिनमें पूज्य संतों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

यात्रा हनुमानगढ़, सियावास, बेगमगंज, गंज, देवनगर, साचेत और चंद्रपुर से होते हुए सांची पहुंची। सांची से विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए यह यात्रा दोपहर 1 बजे रायसेन में प्रवेश की यात्रा का लोगों ने जोरदार स्वागत किया।

यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए रामलीला मैदान पहुंची, जहां मुख्य सभा का आयोजन किया गया। यहां अनेक संतों के आशीर्वचन प्राप्त हुए। सभा को संबोधित करते हुए विभाग प्रचारक सौरभ सिंह ने हिंदू सम्मेलनों के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन सम्मेलनों का मुख्य लक्ष्य हिंदू समाज को समरस और संगठित कर उसमें एकता का भाव लाना है, क्योंकि एक

समरस हिंदू समाज ही समर्थ भारत का निर्माण कर सकता है। सौरभ सिंह ने आह्वान किया कि हिंदू समाज 20 दिसंबर से 20 जनवरी के मध्य आयोजित होने वाले मंडल बस्ती हिंदू सम्मेलनों में अधिक से अधिक संख्या में भाग ले। उन्होंने लोगों से अपने दोस्तों, मित्रों, माता-पिता, भाई-बहन के साथ इन सम्मेलनों में सहभागी बनने का आग्रह किया, ताकि हिंदू समाज को समरस और संगठित किया जा सके।

रामलीला मैदान में मुख्य सभा के बाद यात्रा का समापन सोमेश्वर धाम किले पर किया गया। यहां भारत माता की आरती के पश्चात, सोमेश्वर धाम को मुक्त कराने के संबंध में उपस्थित एसडीएम को समस्त सकल हिंदू समाज द्वारा एक ज्ञापन सौंपा गया।

यात्रा के दौरान 'पंच परिवर्तन' के विषयों पर भी जोर दिया गया, जिनमें 'स्व का बोध', 'नागरिक कर्तव्य', 'पर्यावरण संरक्षण', 'कुटुम्ब प्रबोधन' और 'सामाजिक समरसता' शामिल थे। इसके अतिरिक्त, स्वदेशी अपनाने पर भी बल दिया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न

रायसेन ■ निसं

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल और समूह नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने विकासखण्डवार प्रगतिरत एक-एक नलजल योजना की वर्तमान स्थिति और कार्य पूर्ण नहीं होने का कारण जानते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द सभी योजनाओं का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने पीएचई तथा वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि नल जल योजना के क्रियान्वयन हेतु पत्राचार या अनुमति प्रदान करने में विलम्ब नहीं होना चाहिए। उन्होंने एकल योजना में एफएचटीसी की समीक्षा के दौरान बाड़ी विकासखण्ड में अभी भी 4914 कनेक्शन प्रदाय किया जाना शेष रहने पर नाराजगी जाहिर शीघ्र कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार औबेदुल्लागंज विकासखण्ड अंतर्गत 2221 नल कनेक्शन, सांची विकासखण्ड अंतर्गत 3719 कनेक्शन सहित अन्य विकासखण्डों में कनेक्शन दिया जाना बाकी रहने पर संबंधितों को शीघ्र कार्य पूर्ण कराते हुए कनेक्शन प्रदाय किए जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिले में क्रियान्वित समूह नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने गैरतगंज-बेगमगंज समूह जल प्रदाय योजना, हलाली समूह जल प्रदाय योजना, उदयपुरा समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो के प्रत्येक चरण की जानकारी लेते हुए कार्य को गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम, वन विभाग सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

114 प्रशिक्षणार्थियो ने कराया पंजीयन, 56 प्रशिक्षणार्थियों का फाइनल चयन हुआ

प्लेसमेंट, वित्तीय जागरूकता, उद्यानिकी एवं स्वास्थ्य जागरूकता से सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

विदिशा ■ निसं

शासकीय आईटीआई विदिशा में गत दिवस बुधवार को ब्रेनसिस्टर इंडिया प्रायवेट लिमिटेड द्वारा मेगा ओपन कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में महिंद्रा एंड महिंद्रा टाटा मोटर्स, न्यू हॉलैंड, एटमबर्ग जैसी पापुलर कम्पनीज सम्मलित हुई। जिसमे विदिशा जिले एवं अन्य जिलो के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 114 प्रशिक्षणार्थियो का पंजीयन किया गया जिसमे से 56 प्रशिक्षणार्थियों का फाइनल चयन किया गया है। चयनित प्रशिक्षणार्थियो को पुणे महाराष्ट्र में जॉइनिंग दी जाएगी। इस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन सयुंक्त रूप से आईटीआई विदिशा एवं रोजगार कार्यालय विदिशा द्वारा संपन्न कराया गया एवं एसईबीआई के प्रतिनिधि द्वारा वित्तीय जागरूकता तथा ऑनलाइन फ्राड से बचाव हेतु जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रशिक्षणार्थियो को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारी दी गई तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओ से मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गयी। उक्त सभी आयोजनों का केंद्र शासकीय आई टी आई विदिशा रहा।

पंचायतों के उप निर्वाचन-2025 अंतर्गत जिले में रिक्त पंच पदों के निर्वाचन क्षेत्र कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र घोषित

रायसेन। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन-2025 की घोषणा कर दी गई है। जिले के विकासखण्ड सांची, गैरतगंज, सिलवानी, बाड़ी और औबेदुल्लागंज के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में रिक्त पंच पदों हेतु उप निर्वाचन-2025 की घोषणा के साथ ही उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। इस दौरान रायसेन जिले में जिन क्षेत्रान्तर्गत चुनाव सम्पन्न होना है, उन राजस्व सीमा के अंतर्गत ग्रामीण उप निर्वाचन क्षेत्रों में पंचायतों के पंच पदों हेतु उप निर्वाचन वर्ष 2025 के दौरान प्रचार-प्रसार में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का अनियंत्रित उपयोग लोकहित में नही है।

ट्रांसजेण्डरों की मांग पर गौशाला संचालन की जिम्मेवारी सौंपी जाएंगी: कलेक्टर

विदिशा, निप्र। कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज उभयलिंगी अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई थी। अधिनियम अधिकारो का संरक्षण को बढावा देने और उनके अधिकारो की रक्षा करना व कल्याण के उपाय करना और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाए जाने के उद्धेश्य से आयोजित इस बैठक में ट्रांसजेण्डरो का प्रतिनिधित्व कर रही रतना नायक के द्वारा गौशाला संचालन की मांग रखी गई जिस पर सहमति व्यक्त करते हुए कलेक्टर गुप्ता ने जिले में नवाचारो के तहत एक गौशाला संचालन की जिम्मेवारी नियमानुसार सौंपने की बात कही है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित।: संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय: 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।